RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

प्रेम एक ऐसा फल है जो हर ऋतु में होता है और हर व्यक्ति की पहुंच में।

मदर टेरेसा

वर्ष-04, अंक - 40 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 07 जुलाई 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

भाजपा नेतृत्व सोशल मीडिया पर हो रहा नंगा, जिलाध्यक्ष पर जिला पंचायत सीट का टिकिट बेचने के लगे आरोप

अध्यक्ष के बेटे की पोस्ट पर भाजपा नेता ने जिलाध्यक्ष को बताया लड़कीबाज़

माही की गूंज, झाबुआ।

भाजपा का जिला नेतृत्व लगातार ऐसे आरोपो से घिरता आ रहा है जिसके लिए भाजपा हमेशा अपने आप को संस्कारी पार्टी बताती रही है। भाजपा के जिलाध्यक्ष पर महिलाओं द्वारा लगाए गए आरोप नए नही है न ही ट्रांसफर ओर गेंहू की हेरा-फेरी करने वाले भाई को संरक्षण देने के आरोप नए हैं। त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों को लेकर एक बार फिर से सोशल मीडिया पर भाजपा नेता एक-दूसरे को नंगा करते देखे जा रहे हैं। इस बार भाजपा जिलाध्यक्ष नायक पर जिला पंचायत के लिए अधिकृत भाजपा उम्मीदवारी बेचने के आरोप तक लगाए जा रहे है। ये सब हो रहा है पार्टी के अंदर नही खुल कर सोशल मीडिया पर, जहा पोस्ट ओर कमेंट को देख कर हर कोई भाजपा की गिरती साख के मज़े ले रहा है।

मेगजी अमलियार मेगजी अमलियार के नाम से बनी फेसबुक आईडी जिसकी पुष्टि माही की गूंज द्वारा नही की जा रही लेकिन आईडी से पोस्ट ओर कमेंट के स्क्रीन शांट हमारे पास है। उसके अनुसार भाजपा नेता मेगजी अमलियार खुल कर भाजपा जिलाध्यक्ष और अजज़ा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाभर को बिकाऊ बताते हुए जिला पंचायत के लिए अधिकृत करने के लिए पैसे की मांग की बात खुल कर कर रहे हैं। इतना ही नही कमेंट के दौरान कई गभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। जिलाध्यक्ष के पुत्र विवेक नायक की आईडी से ÷पोस्ट मिशन जिला पंचायत विजय भाजपा÷ की पोस्ट पर मेगजी अमलियार नाम वाली आईडी से जिलाध्यक्ष को लड़कीबाज़ बताया गया और इस प्रकार की सुविधा के लिए मना करने पर जिला पंचायत की टिकिट की बात कही गई। इससे पहले की पोस्ट या कमेंट डिलीट होते कई नेताओं ने इसके स्क्रीन शाट लेकर प्रदेश पदाधिकारीयो तक पहुँचा दिए गए।

ये तो सच है कि, चुनाव में हर कार्यकर्ता को संतुष्ट नही किया जा सकता लेकिन इस तरह से पार्टी का अंदरूनी कलह सोशल मीडिया पर जग जाहिर हो इसकी उम्मीद किसी ने नही की होगी। भाजपा के नेताओ द्वारा जिलाध्यक्ष नायक को आय्याश किश्म का नेता बताया जा रहा है। लगातार महिलाओं के द्वारा बलात्कार ओर योंन शोषण के आरोप लगते आ रहे हैं। एक बार फिर ऐसे आरोपो के बाद प्रदेश संगठन जिलाध्यक्ष नायक की परेड लेगा ये तय है।

प्रत्याशी के पक्ष में नहीं दिया वोट तो पति ने कर दी पिटाई

भिंड।

जिले में नगरीय निकाय के प्रथम चरण के चुनाव में रौन नगर परिषद के वार्ड संख्या 6 में चुनावी रंजिश में मतदाता से मारपीट की घटना सामने आई है। पीड़ित ने बीजेपी प्रत्याशी के पति और उनके परिजनों पर मारपीट का आरोप लगाया है। इसके बाद से इलाके में तनाव की स्थिति है। पीड़ित ने अपने साथ हुई घटना की शिकायत पुलिस से भी की है।

पीड़ित रामजी लाल शर्मा ने बताया कि, वह रौन नगर परिषद वार्ड संख्या 6 के मतदाता हैं, जो अपना वोट डालने के लिए शासकीय मीडिल स्कूल पर बनाए गए पोलिंग बूथ पर गये थे। जहां मतदान के बाद जब वो घर वापस जे रहे थे तब इसी दौरान मतदान केंद्र के बाहर वार्ड 6 से चुनाव लड़ रही भाजपा प्रत्याशी प्रीति के पति सुखबीर ने अपने परिवारजनों के साथ मिलकर उनकी पिटाई की। वो सभी भाजपा प्रत्याशी को वोट न देने को लेकर नाराज थे।

पीड़ित का आरोप है कि, लाठी-डंडों से उनकी बेरहमी से पिटाई की गई है। पीड़ित के साथ हुई मारपीट में उसे गंभीर चोटें आई हैं। अपने साथ हुई ज्यादती को लेकर उन्होंने रौन पुलिस थाने में पहुंचकर शिकायत भी दर्ज कराई है।

पीड़ित ने बताया कि, आरोपी भाजपा प्रत्याशी पति सुखबीर द्वारा अपने पक्ष में वोट डलवाने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा था। मतदान से पहले भी 32 से 35 लोगों के साथ वो उसके घर धमकाने के लिए गये थे। इसके बाद बुधवार को चुनावी रंजिश में उसके साथ मारपीट भी हुई। पूरे मामले में जब हमने डीएसपी हेड क्वार्टर अरविंद शाह से सवाल किया तो उनका कहना था कि घटना पोलिंग बूथ से करीब 500 मीटर की दूरी पर हुई है।

जिसकी सूचना पुलिस को मिली थी कि, दो गुटों में चुनावी रंजिश को लेकर विवाद हो गया था। जिसमें एक व्यक्ति के साथ मारपीट हुई है, लेकिन पुलिस जब तक मौके पर पहुंची तब तक दोनों ही पक्ष घटनास्थल से गायब हो चुके थे। ऐसे में फरियादी रामजी लाल शर्मा की शिकायत पर पुलिस द्वारा आरोपी पक्ष को भी बुलाया गया है और दोनों पक्षों की सुनवाई करने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

मां-बाप की अपील के बाद दो आतंकियों ने किया सरेंडर

श्रीनगर, एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में दो स्थानीय आतंकियों ने सरेंडर कर दिया। इन आतंकियों ने अपने माता-पिता की अपील के बाद सुरक्षाबलों के आगे हथियार डाले। दरअसल हादीगाम गांव में सुरक्षाबलों ने आतंक रोधी अभियान शुरू किया था। इसके बाद आतंकवादियों के मां-बाप को वहां लगाया गया और उनसे अपील करवाई गई कि वे हथियार डाल दें। बताया जा रहा है कि ये दोनों हाल ही में आतंकी संगठन के साथ जुड़े थे।

पुलिस ने ट्वीट करके इस बात की जानकारी दी। पुलिस का कहा है कि, आतंकियों के पास से गोला-बारूद और हथियार भी बरामद किया गया है। आईजीपी कश्मीर, विजय कुमार ने कहा कि, अगर सभी माता-पिता अपने बच्चों से हिंसा का रास्ता छोड़कर सरेंडर करने की अपील करें तो बहुत लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। जब दो आतंकियों ने आत्मसमर्पण किया तो उनका भी जीवन बच गया।

शिवसेना के संसदीय दल में भी पड़ी फूट

मुम्बई, एजेंसी।

शिवसेना में बड़ी बगावत के बाद एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के सीएम बन गए हैं और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस डिप्टी सीएम की कुर्सी संभाल रहे हैं। इसके बाद भी शिवसेना की अंदरुनी कलह समाप्त नहीं हुई है। विधायकों के बाद अब बड़ी संख्या में सांसदों के भी पार्टी नेतृत्व से बगावत के कयास लग रहे हैं। इस बीच नए घटनाक्रम के तहत पार्टी ने सांसद भावना गवली को लोकसभा में शिवसेना के चीफ व्हिप के पद से हटा दिया है। उनकी जगह पर उद्धव ठाकरे के करीबी कहे जाने वाले राजन विचारे को यह जिम्मेदारी दी गई है। शिवसेना के संसदीय दल के नेता संजय राउत ने संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी को लिखे पत्र में पार्टी के इस फैसले की जानकारी दी है। संजय राउत ने पत्र में लिखा है, आपको यह बताया जाता है कि, शिवसेना के संसदीय दल ने राजन विचारे को लोकसभा में भावना गवली के स्थान पर पार्टी का चीफ व्हिप नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू की जाती है। इस फैसले से विधायक दल में फूट के बाद अब शिवसेना के संसदीय दल में भी टकराव के आसार बढ़ गए हैं। दरअसल, एकनाथ शिंदे के विद्रोह के बाद भावना गवली ने शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को एक पत्र लिखा था। इसमें भावना गवली ने कहा था कि एकनाथ शिंदे की भूमिका सही थी। उसके बाद से ही चर्चा है कि शिवसेना के 12 सांसद एकनाथ शिंदे गुट के साथ जा सकते हैं। इसमें सबसे आगे भावना गवली का नाम है।

गवली समेत 12 सांसद कर सकते हैं उद्धव ठाकरे से बगावत

शायद इसी के चलते शिवसेना ने उन्हें चीफ व्हिप के पद से हटाने का फैसला लिया है। अब देखना होगा कि इस फैसले पर भावना गवली का क्या रिएक्शन आता है। भावना गवली, एकनाथ शिंदे के सांसद बेटे श्रीकांत शिंदे समेत कई लोगों की ओर से बगावत का ऐलान किया जा सकता है। बता दें कि मंगलवार को मुंबई से शिवसेना सांसद राहुल शेवाले ने भी उद्धव ठाकरे को एक पत्र भेजा था। इसमें राहुल शेवाले ने बीजेपी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू से समर्थन की गुहार लगाई थी।

राष्ट्रपति चुनाव में सांसदों के क्रॉस वोटिंग करने की आशंका

सांसदों के रवैये से साफ है कि, राष्ट्रपति चुनाव में यदि शिवसेना विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा का समर्थन करती है तो बगावत दिखेगी और क्रॉस वोटिंग हो सकती है। 16 में से करीब 12 सांसद द्रौपदी मुर्मू के समर्थन में वोट डाल सकते हैं। ऐसा होता है तो फिर यह शिवसेना के संसदीय दल में भी बड़ी टूट की शुरुआत होगी।

महंगाई की बड़ रही मार बस करो मोदी सरकार

घरेलू गैस सिलेंडर हुआ महंगा, लेकिन कमर्शियल पर फिर मिली राहत

नई दिल्ली।

पिछले दिनों कमर्शियल गैस सिलेंडरों के दाम घटने के बाद अब घरेलू गैस सिलेंडरों पर महंगाई की मार पड़ गई है। गैस वितरण कंपनियों ने बुधवार की सुबह कुकिंग गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए हैं। हालांकि, एक हफ्ते के भीतर ही कमर्शियल सिलेंडरों पर फिर राहत मिली है। इंडियन ऑयल के ताजा अपडेट के मुताबिक, नॉन-सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम के एक सिलेंडर पर अब आपको 50 रुपए ज्यादा देने होंगे। राजधानी दिल्ली में अब एक 14 किलो के सिलेंडर की कीमत एक हजार तीन रुपए से बढ़कर एक हजार 53 रुपए हो गई है।

ऐसा पहली बार है कि, घरेलू सिलेंडर के दाम बढ़े हैं और कमर्शियल के दाम घटे हैं। कमर्शियल सिलेंडर पर जहां अभी 1 तारीख को 198 रुपए घटाए थे, वहीं, फिर इसमें लगभग नौ रुपए की कटौती हुई है। दिल्ली में एक 19 किलो के कमर्शियल सिलेंडर की कीमत अबू 2 हजार 12 रुपए हो गई है। इसके पहले इसकी कीमत 2 हजार 22 रुपए थी।

कमर्शियल गैस सिलेंडर में यह दो महीनों में तीसरी कटौती है। इसके पहले कमर्शियल गैस सिलेंडर 1 जून से सस्ता हो गया था। कॉमर्शियल एलपीजी के दाम तब 135 रुपये प्रति सिलेंडर घटाए गए थे। फिर, एक जुलाई को इसमें 198 रुपए की कटौती की गई थी, जिसके बाद से अभी हल्की सी कटौती आई है।

ग्राम सरकार के बाद अब नगर सरकार की बारी- मतदाता को मनाने प्रत्याशी कर रहे पुरजोर तैयारी

मेघनगर नरग परिषद चुनाव पर टीकी है सभी की निगाहें

माही की गूंज, मेघनगर। निसार पठान/भूपेन्द्र जैन

ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, जिला पंचायत के चुनाव क्षेत्र में संपन्न होने के बाद अधिकारी-कर्मचारी अब नगरीय निकाय चुनाव संपन्न कराने में लगे है। जिले में एक मात्र मेघनगर नगर परिषद चुनाव होने से प्रशासन से लेकर मीडिया व राजनीतिक दलों की निगाहें मेघनगर नगर परिषद पर टीकी है। नगर परिषद बनने के बाद दूसरी बार हो रहे चुनाव में इस बार परिवर्तन होने से सीधे अध्यक्ष न चुनते हुए मतदाता द्वारा चुने गए पार्षद ही अध्यक्ष तय करेंगे। इसलिए अध्यक्ष के चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे लोग भी अब पार्षद बनने के लिए ऐड़ी चोटी का जोर लगा रहे है। 15 वार्डों में विभाजित मेघनगर नगर परिषद में पूर्व में पहली नगर अध्यक्ष महिला सीट होने से ज्योति नटवर बामनिया निर्वाचित हुई थी, तो सर्वाधिक पार्षद कांग्रेस से जुड़े होने के कारण उपाध्यक्ष की सीट कांग्रेस के पाले में रहने से आशमा महबूब उपाध्यक्ष बनी थी। अबकि चुनाव में सीधे पार्षदों से अध्यक्ष तय होने से व अध्यक्ष की सीट अजजा आरक्षित होने से समीकरण कुछ बदले-बदले नजर आ रहे है। पार्षद के भावी प्रत्याशियों में सिर्फ दो वार्डों में भाजपा कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर है, वहीं शेष वार्डों में 3 से लेकर 9 प्रत्याशी तक मैदान में है। अधिकांश वार्डों में भाजपा व कांग्रेस दोनो ही दलों के प्रत्याशी पर निर्दलीय भारी पड़ते दिख रहे हैं। वार्ड नंबर 5, वार्ड नंबर 6 में ऐसी ही स्थिति नजर आ रही है। कई पूर्व पार्षद इस बार भी अपने परिजनों को, तो कहीं खुद, तो कहीं खुद अपनी पत्नीयों को सियासत के समर में आगे ला रहे है। करीब 8 पूर्व पार्षद या उन की पत्नी मैदान में है। अब देखना यह है कि यह अपनी सीट कायम रख पाते है या नहीं।

रोचक मुकाबले-

वार्ड क्रमांक 1 में तीसरी बार साइदा भाबर (कांग्रेस) व ज्योति नटवर बामनिया (भाजपा) आमने सामने है। दो बार पूर्व में ग्राम पंचायत, सरपंच व प्रथम नगर परिषद के चुनाव में नगर अध्यक्ष हेतु इन दोनों नेत्रियों के बीच ही मुख्य मुकाबला था। ज्योति नटवर बामनिया एक बार सरपंच और दूसरी बार नगरअध्यक्ष में साइदा भाबर को सिकस्त दे चुकी है। इस बार ज्योति बामनिया पार्षद के चुनाव में अपने वार्ड से अलग चुनाव मैदान में होने से कांग्रेस व भाजपा दोनों के लिए उक्त वार्ड महत्वपूर्ण है। कई लोग अनुमान लगा रहे है कि इस वार्ड से जो भी जीता व उसकी सरकार बनी तो निश्चित नगर परिषद अध्यक्ष का सहरा इन्ही दो चेहरों के बीच होगा।

वार्ड क्रमांक 2 में कमलेश मचार (भाजपा) व कलसिंह भूरिया (कांग्रेस) के बीच पूर्व पार्षद शांति सौलंकी निर्दलीय बन नींद उड़ाने को विवश कर रही है। तो वार्ड क्रमांक 3 में पूर्व पार्षद लाखन देवाणा (भाजपा) व अरूण ओहारी (कांग्रेस) सहित अतुल गर्ग, विश्वराज जोशी, प्रेमलता मारू आदि निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ रहे है। उक्त वार्ड में अधिकांश कर्मचारी वर्ग के मतदाता है, तो यहां सड़क का मुद्दा भी हावी है। वार्ड 4 में भाजपा व कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला है।

निर्दलीय भी ला सकते है चुनावी प्याली में तूफान

भाजपा कांग्रेस दोनों ही दलों की प्रतिष्ठा मेघनगर नगर परिषद के पार्षद पदों के चुनाव में दाव पर लगी है। कांग्रेस विधायक वीरसिंह भूरिया का जनपदीय क्षेत्र होने व पूर्व में अधिकाधिक पार्षद कांग्रेस समर्थित होने

से कांग्रेस को अपनी साख बरकरार रखने में पुरजोर प्रयास करने होंगे। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक सहित कई जिला संगठन भाजपा के पदाधिकारी का गृह ब्लॉक क्षेत्र मेघनगर होने से व वर्तमान में प्रदेश व देश में भाजपा सरकार होने से भाजपा समर्थित प्रत्याशी को अधिकाधिक विजयश्री दिलवाने सहित नगर परिषद अध्यक्ष व उपाध्यक्ष सहित भाजपा की बनाने हेतु इन्हे भी ऐड़ी चोटी का जोर लगाना पड़ेगा। दोनों ही दलों के बीच जयस व आम आदमी पार्टी सहित नगर के मुख्य वार्डों में निर्दलीय व पूर्व में दलों में रहे प्रत्याशी मैदान में होने से कयास लगाए जा रहे है कि अपने दम पर व अपनी व्यक्तिगत छवि के दम पर तीन या चार निर्दलीय प्रत्याशी पार्षद बन चुनावी प्याली में तूफान भी ला सकते है। दोनों ही दलों के भावी अध्यक्ष बनने की महत्वकांक्षा के समीकरण भी बदल सकते हैं। वार्ड क्रमांक 5 में निर्दलीय इकबाल इनाल व भाजपा के संतोष परमार के बीच कड़ी टक्कर है। तो अशोक बंधु निर्दलीय के रूप में यहां मैदान में है। इसी वार्ड में पूर्व में अशोक की माता मैना काकी निर्दलीय पार्षद रही है। कांग्रेस से यहां युवा चेहरा मोनू ललवानी अपना भाग्य आजमा रहे है। वार्ड क्रमांक 6 में मेहबूब इनाल उर्फ मुन्ना पंचायत के समय से 1999 से लगातार पंच व पूर्व में इनकी पत्नी पार्षद रहे है। गत चुनाव भी मेहबूब निर्दलीय लड़ सर्वाधिक मतों से विजयी रहे थे। इस बार मेहबूब के सामने युवा, दबंग आरटीआई कार्यकर्ता इमरान उर्फ अबदुल्ला मैदान में है। अबदुल्ला भी निर्दलीय चुनाव लड़ रहे है। वार्डवासियों के अनुसार मुख्य टक्कर इन दोनों निर्दलीयों में ही है। भाजपा ने यहां से पंकज बड़ौला को मैदान में उतारा है। तो कांग्रेस ने अलीअसगर बोहरा को टीकीट दिया है।

मतदाता को मनाने में जुट विकास के वादे कर रहे प्रत्याशी

नगरपरिषद के वार्ड में हर प्रत्याशी अपने-अपने हिसाब से वादे व भावी घोषणाएं कर मतदाताओं को अपने पक्ष में करने हेतु जी तोड़ प्रयास कर रहे है। नगर में अनियमित पेयजल व्यवस्था, उखड़ी सड़क, लचर उत्कृष्ट व कन्या उमावि के कमजोर 10 वीं, 12 वीं के परिणाम, विरान बदहाल बगीचा व ओद्योगिक क्षेत्र का प्रदुषण मुख्य मुद्दा है। तो दो वर्ष के कोरोना काल में झेली परेशानी भी मतदाता नहीं भूले है। अब मतदाता को रिझाने व अपने पक्ष में करने सहित भविष्य की नई रणनीति भी पार्षद प्रत्याशी बना रहे है। वार्ड क्रमांक 7 में कांग्रेस के मेहबूब सुलेमान व भाजपा के दबंग जमीनी नेता राजेश अहिर के बीच सीधी टक्कर है। वहीं उक्त वार्ड में सोहेल सलीम शैरानी भी निर्दलीय लड़ चुनावी समीकरण को बदलने को आमादा है। वार्ड 8 अजा के लिए आरक्षित है। यहां भाजपा - कांग्रेस के उम्मीदवारों के बीच दो पूर्व पार्षद व पंच के बीच खड़े रहने से नया पैच देखने को मिल रहा है। भाजपा अजा मोर्चे के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेमसिंह बसौड़ व कांग्रेस के पूर्व पार्षद काला बसौड़ निर्दलीय अपना भाग्य आजमा रहे है। वार्ड 9 पर कांग्रेस व भाजपा सहित 7 निर्दलीय मैदान में होने से यहां भी रौचक मुकाबला प्रतीत हो रहा है। वार्ड क्रमांक 10 जो कि नगर का सबसे बड़ा वार्ड है में भाजपा की मेघा भूपेश भानपुरिया व कांग्रेस की निर्मला शेतान प्रजापति में सीधी टक्कर है। यहां से पूर्व में भूपेश भानपुरिया जहां पार्षद रह चुके है, तो एक दशक पूर्व शेतान प्रजापति पंचायत के पंच रहे है। वार्ड क्रमांक 11 में भाजपा-कांग्रेस दोनों जैन महिलाओं को टिकिट दिया है। यहां से भाजपा की राखी राकेश जैन व कांग्रेस से मीना मनीष जैन सहित भाजपा से ही जुड़े राजेश वागरेचा की पत्नी भी निर्दलीय मैदान में है। वार्ड 12 में भी इस बार कड़ी टक्कर कांग्रेस की समता अनुप भंडारी व भाजपा की सरमीला प्रमोद जैन में है। यहां भी तीसरी शक्ति के बीच में ललिता बंटी ब्रजवासी अपना राजनीतिक भाग्योदय हेतु सियासत के समर में है। ज्ञातव्य है कि यहां से शुरू में कांग्रेस के दबंग नेता अनुप भंडारी पार्षद रहे है। वर्तमान में विधायक प्रतिनिधि भी है। वार्ड 13, 14, 15 अजजा सीट होने से यहां भाजपा व कांग्रेस में सीधी टक्कर है। इन वार्डों में कांग्रेस के राधेश्याम, जोगी आदि मैदान में है। तो वार्ड 15 से भाजपा के दबंग व पूर्व जनपद अध्यक्ष राजू डामोर इस बार नगर की कमान थामने हेतु प्री-बोर्ड की तर्ज पर चुनावी परीक्षा में पार्षद हेतु मैदान में है।

नप की लापरवाही से सड़क पर लग रहा पशु हाट बाजार

माही की गूंज, थांदला। नगर परिषद की लापरवाही से हाटबाजार के दिन पशु हाट नगर के मुख्य मार्ग पर ही लगने लग गया है। उनको रोकने वाला कोई नहीं है। हाटबाजार के दिन अलसुबह से ही बकरों और मुर्गियों की खरीद फरोख्त नगर के मुख्य मार्ग पर पूराना कृषि उपज मण्डी भवन से बाहर सांई मदिर तक होती है।चूंकि सुबह का समय होने से बच्चों को स्कूल जाना होता है तथा कई लोग उसी मार्ग से होकर मंदिर भी जाते है, उन्हें काफी परेशानी होती ही है। बकरा बाजार लगने की वजह से आपसास के दुकानदारों व रहवासियों के साथ ही आवागमन में भी परेशानी उत्पन्न होती है। गौरतलब है कि बकरा बाजार से कुछ ही दूरी पर सांई मंदिर व एक निजी स्कूल स्थित है। जहां पर काफी लोगों और बच्चों का आना जाना लगा रहता है। वही मुख्य मार्ग पर ही बकरो व मुर्गो की खरीद फरोख्त सरेआम चलती रहती है। सड़क के दोनों तरफ खरीदी बिक्री वालो के झुंड नजर आते है। जिस पर नगर परिषद और न ही प्रशासन का कोई अंकुश है। प्रशासनिक लापरवाही के चलते बकरो के खरीददार पीपली चौराहा व कुम्हारवाडा जैस मुख्य चौराहों पर भी खुलेआम खरीदी बिक्री करते देखे जा सकते है। आश्चर्य की बात तो यह है कि इन्हीं के बीच नगर परिषद का कर्मचारी रसीद बुक लेकर क्रेता- विक्रेताओं से शुल्क वसुलता रहता है। सड़क के बीचोबीच इस तरह से पशुओं की खरीद फरोख्त से आमजन परेशान है, लेकिन नगर परिषद आमजन की परेशानियों से कोऊ वास्ता नहीं रखती है। परिषद के सीएमओ झाबुआ निवास करते है और प्रतिदिन अपडाउन करते है। जिनका नगरागमन ऑफिस समय पर ही होता है। जिस वजह परिषद की सारी व्यवस्थाए भी निरंकुश हो गई है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में पशु हाट पूराना कृषि उपज मण्डी प्रागंण में लगता था, किन्तु प्रशासन की बदली व्यवस्था की वजह से वहां पर अब सब्जी मंडी संचालित हो रही है तथा पशु हाट को विपणन सहकारी संस्था मे स्थानान्तरित किया गया था, जो वहां से निकलकर मुख्य मार्ग पर आ गया है।

एबीवीपी ने बनाया छात्र सहायता केंद्र

माही की गूंज, थांदला। मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद थांदला ईकाई द्वारा नवीन प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं को प्रवेश संबंधित जानकारी के लिए छात्र सहायता केंद्र लगाया गया। महाविद्यालय थांदला में प्रथम वर्ष परीक्षा के मेजर माईनर विषय सम्बन्धित समस्याएं आ रही थी, उनकी जानकारी के लिए आने वाले छात्र-छात्राओं की प्रतिदिन एबीवीपी कार्यकर्ता महाविद्यालय में जाकर साहयता कर रहे हैं। एबीवीपी द्वारा यह कार्य लगातार किया जा रहा है। इस कार्य में अभाविप जिला संयोजक प्रताप कटारा, भाग पेटलावद-थांदला विस्तारक रोहित सिंह, नगर मंत्री प्रफुल्ल धामनिया, अविनाश अमलियार, शिवा सिंगाड़िया, कमलेश वसुनिया, अजय भाबोर, कैलाश भाबोर, प्रेम राठोड़ आदि कार्यकर्ता अपना सहयोग दे रहे है।

बारिश और अव्यवस्था का शिकार बने झाबुआ के कर्मचारी

अचानक इंदौर चुनाव में मतदान ड्यूटी पर पहुँचे शिक्षकों हुई भारी परेशानी

माही की गूंज, झाबुआ।

केंद्रीय कर्मचारियों की चुनावी ड्यूटी निरस्त होने के कारण ताबड़तोड़ में झाबुआ जिले के 200 से अधिक कर्मचारियों की ड्यूटी इंदौर में चुनाव के लिए लगाई गई। झाबुआ से कर्मचारियों की बसे रवाना होने के बाद हुई जोरदार बारिश में जिले के कर्मचारियों की बसे फस गई। एक बस तो पानी मे बहती-बहती बची जिसे जेसीबी से बहार निकाला गया। फसे हुए कर्मचारियों का सीधा आरोप इंदौर कलेक्टर पर है जिन्होंने कर्मचारियों के लिए व्यवस्था सुनिश्चित नही की। इंदौर ड्यूटी पर तैनात होने पहुँचे कर्मचारियों में व्यवस्थाओ को लेकर भारी आक्रोश देखा गया और मामला मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के व्हाट्सप्प ग्रुप में जब कर उठा और इंदौर कलेक्टर की अव्यवस्था पर सवाल खड़े किए गए।

फसे हुए कर्मचारियों ने ये भी बताया कि, कैसे वो मरते-मरते बचे। ग्रुप में चल रही बहस के स्क्रीनशाट जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा को भी भेज कर हो रही अव्यवस्था से अवगत करवाया गया। जिला कलेक्टर की और से एडीएम इंदौर को अवगत करवाने का आश्वासन देकर मामले को रफा-दफा कर दिया गया। पूरे कर्मचारी संघ में इस प्रकार की असुविधा और अव्यवस्था के लिए आक्रोश है।

रतलाम महापौर उम्मीदवार मयंक जाट को मिल रहा जनता का आशीर्वाद

भाजपा मय रतलाम में मंयक जाट के चर्चो से घबराई भाजपा, महापौर उम्मीदवार मयंक जाट का विभिन्न वार्डों में तूफानी जनसम्पर्क

माही की गूंज, रतलाम।

कांग्रेस महापौर उम्मीदवार मयंक जाट की लगातार बढ़ती लोकप्रियता ने भाजपा के बड़े नेताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया। लगातार जनता से सीधे सम्पर्क के चलते कांग्रेस उम्मीदवार मंयक जाट भाजपा मय रतलाम के लिए बड़ी चुनोती बन कर खड़े हो गए हैं। महापौर के कांग्रेस उम्मीदवार मयंक जाट ने 13 जुलाई को होने वाली वोटिंग से पहले शहर के विभिन्न वार्डों में तूफानी जनसम्पर्क अभियान चलाया जिसमे मतदाताओं के आशीर्वाद की झड़ी लगी है। निकाय चुनाव में वार्डवार अपने जनसंपर्क अभियान ÷आपका बेटा आपके द्वार÷ के अंतर्गत महापौर उम्मीदवार मयंक जाट सोमवार को वार्ड क्र.18, 19 एवं 20 में पार्षद प्रत्याशी क्रमशः जितेन्द्र पडियार (मिर्ची), विद्या शर्मा और पूजा दुबे के साथ नागरिकों से उनके घर द्वार पर आशीर्वाद लेने पहुंचे। बाजना बस स्टेंड से लेकर होते हुए हिम्मत नगर, ओसवाल नगर के रास्ते करीब से अधिक कॉलोनियों में होते हुए जनसम्पर्क का समापन दीनदयाल नगर में हुआ। जनसम्पर्क में उनके साथ शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र कटारिया, पूर्व विधायक पारस सकलेचा, वरिष्ठ नेता विनोद मामा मिश्रा, प्रेमलता दवे, जेम्स चाको, शैलेन्द्र सिंह अठाना, मदन सोनी, नितेश राठौड़, नीलेश जैन, राजकुमार जैन लाला सहित स्थानीय पार्टी पदाधिकारी एवम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अवैध कॉलोनी के नाम पर सौतेला व्यवहार

शहर के इस प्रमुख बाहरी घनी आबादी वाले क्षेत्र में नागरिकों ने मयंक जाट ने बताया, हमारी कॉलोनियों को अवैध और वैध के फेर में उलझाकर हमें वर्षो से बुनियादी सुविधा से वंचित रखा जा रहा है। जबकि अधिकांश कॉलोनियों का नगर निगम में न हस्तांतरण हो गया है। हम लोग सभी टेक्स का समय पर नगर निगम को भुगतान कर रहे है मगर कोई सुविधा नहीं दी जाती है। हमारे साथ नगर निगम और विगत भाजपा परिषद का यह सौतेला व्यवहार अक्षम्य है।

सभी कॉलोनियों को वैध करेंगे

महापौर उम्मीदवार जाट ने नागरिकों को विश्वास दिलाया कि, मेरे महापौर चुने जाने पर हम शहर की सभी कॉलोनी के रहवासियों को आधारभूत सुविधाएँ बिना किसी भेदभाव के उपलब्ध करवाएंगे। उन्होंने कहा कि, यह विचार ही गलत है कि किसी कॉलोनी के हजारों नागरिकों को इसलिए आधारभूत सुविधाओं से वंचित रखा जाये कि वह अवैध कॉलोनी में रहते है। कई वर्षो से रतलामवासी इस अन्याय का सामना कर रहे है। अब यह अन्याय समाप्त करने का समय आ गया है। हम नगर की सभी कॉलोनियों को वैध करेंगे। स्थानीय रहवासियों को शासन की सभी योजनाओं का लाभ देते हुए उन्हें विकसित किया जायेगा। इन सभी कालोनियों में पानी,सड़कें, नाली,प्रकाश सहित सभी मुलभुत सुविधाएँ उपलब्ध करवाई जाएगी। यह मेरी घोषणा नहीं बल्कि शपथ है।

तेज़ बारिश ने जाट को किया परेशान

मंगलवार दोपहर में हुई मूसलाधार बारिश के साथ ही शहर के कई भागों में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई। जिससे लोगों की दुकानों और घरों में पानी भर गया। जानकारी मिलने पर मयंक जाट अपना जनसम्पर्क बीच में छोड़ शहर के पीएनटी कॉलोनी और बंजारा बस्ती में नागरिकों के बीच पहुंचे। जहां नागरिकों ने आक्रोशित होकर अपनी समस्या बताते हुए कहा की सैकड़ों बार नगर निगम और जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों को अवगत करवा चुके है। किसी के भी कान पर जूं तक नहीं रेंगती। सालों से समस्या जस की तस है। हर वर्ष हजारों का नुकसान हो जाता है। कच्ची सड़क व हर बार जलभराव की समस्या का सामना कर रही घरेलू महिलाएं प्रत्याशी मयंक के सामने पिछली भाजपा परिषद को जमकर कोसने लगी। हालांकि मयंक ने समस्या के समाधान को लेकर आश्वस्त कर उनके गुस्से को शांत करने की कोशिश की। मयंक के इस अंदाज की शहर भर में चर्चा है। साथ ही एक बड़ा मुद्दा जलभराव व खराब सड़कों का लम्बे समय से शहर में बना हुआ हैं। जानकारों की माने तो मतदान तक अगर ऐसी मूसलाधार बारिश होती है, तो यह भाजपा के लिए ÷आफत की बारिश÷ भी साबित हो सकती है। बारिश की इन समस्याओं से भाजपा के परम्परागत वोट भी असुविधाओं के आक्रोश में खिसक सकते है। खेर ऊंट किस करवट बैठेगा, यह रतलाम की जनता अपने मत से तय करेगी।

पीएम आवास योजना के आवासों को जल्दी पूर्ण करवाएं-जैन

थादंला विकासखंड की ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक में बोले जिला पंचायत सीईओ

माही की गूंज, थांदला।

जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को थांदला जनपद पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अपूर्ण कार्य एवं प्रगतिरत कार्य की समीक्षा की। साथ ही निर्देश दिए कि इन अपूर्ण आवासों को तत्काल पूर्ण करें। जिससे आवास प्लस के हितग्राहियों को आवास योजना का लाभ प्राप्त हो सके। यदि ग्रामीण लोग पलायन पर गए हैं, तो उन्हें तत्काल बुलाए और आवास पूर्ण करवाएं अन्यथा आवास निरस्त करने की कार्यवाही की जाए।

मनरेगा के कामों को दे प्राथमिकता

जैन के द्वारा मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन एवं प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा कर निर्देश दिए कि अब पंचायत निर्वाचन पूर्ण हो चुके है। इसलिए पीएम आवास के अतिरिक्त मनरेगा के अपूर्ण कामों को भी प्राथमिकता से पूर्ण करें। अमृत सरोवर तालाब जो शेष रह गए है, उन्हें तत्काल पूर्ण करे। इसके अतिरिक्त जल संरचनाओं के आस-पास सघन वृक्षारोपण करें।

ग्रामीणों को समझाएं आयुष्मान कार्ड के लाभ

सीईओ जैन ने अधिक से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन प्रति ग्राम पंचायत कम से कम 10 से 20 आयुष्मान कार्ड बनना चाहिए। लोगों को जागृत किया जाए कि बीमारी के समय यह कार्ड आपको जीवनदायी साबित होगा। उन्हें बताए कि एक बार बीमार होने पर घर की सभी पूंजी खर्च हो जाती है एवं परिवार कर्ज में आ जाता है। जिससे उठना बहुत मुश्किल होता है। अतः राज्य शासन की महत्वकांक्षी योजना आयुष्मान कार्ड सभी पात्र परिवारों के अनिवार्य रूप से बने। यह हमारी व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेकर भी काम करें।

इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत थांदला सुश्री राधा डावर, एसडीओ धीरज धकिते, उपयंत्री एवं परियोजना अधिकारी मनरेगा मनोज बारस्कर, पंचायत समन्वयक, समस्त ग्राम पंचायत सचिव एवं जीआरएस उपस्थित थे।

नपा की अतिक्रमण मुहिम साबित हुई ढाक के तीन पात

पूर्व स्थिति में पहुंचा नगर में अतिक्रमण, जगह-जगह फिर से लग गई दुकानें

माही की गूंज, झाबुआ।

शहर को सुंदर और साफ बनाने के नाम पर नगरपालिका द्वारा चलाई गई अतिक्रमण मुहिम ढाई-तीन महीनें में ही ढाक के तीन पात साबित हो गई। अब शहर के हालात अप्रेल में चलाई गई मुहिम के पहले जैसे ही हो गए है। जिन स्थानों से नगरपालिका ने जोर-शोर से अतिक्रमण हटाया था और नपा के जिम्मेदार अधिकारी ने मीडिया के सामने आकर खूब अपनी फोटो छपवाई थी, अब उन्ही स्थानों पर दोगुनी रफ्तार से अतिक्रमण पसर रहा है। जिन लोगों के अतिक्रमण नगरपालिका ने हटाए थे, वे सवा सेर की कहावत को चरितार्थ करते हुए नगरपालिका को धत्ता बता रहे है। अतिक्रमण कारियों ने फिर से अपना ताम-झाम ज्यों का त्यों फैला लिया है। ऐसा भी नहीं है कि नगरपालिका के जिम्मेदारों को इसकी भनक नहीं है, लेकिन अब किसी तरह की कोई कार्रवाई इन अतिक्रमणकर्ताओं पर नहीं होती नजर आ रही है। इसे नगरपालिका की उदासीनता कहें या अपने कर्तव्य के प्रति लापरवाही, शहर के हर हिस्से में अतिक्रमण पूरी ताकत से फैलता नजर आ रहा है।

पूरा शहर पहले की तरह ही अतिक्रमण की चपेट में है। हालांकि जिन गुमटियों को नगरपालिका ने अतिक्रमण कहकर तोड़ा था वहां अब नई गुमटियां लग चुकी है। इसके अलावा भी शहर में कई स्थान ऐसे है जहां स्थाई अतिक्रमण हो चुका है। मगर इस स्थाई अतिक्रमण की तरफ नगरपालिका की हिम्मत भी नहीं होती नजर उठाने की। स्थाई अतिक्रमण में सबसे ज्यादा दिक्कतें शहर के मुख्य बाजार में है। जहां स्थिति इतनी खराब है कि पैदल चलना भी दुभर हो जाता है। दुकानों पर खरीदी करने आने वाले अपने वाहनों को इस तरह मार्ग पर ही खड़ा कर देते है कि पैदल चलने वाले को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सिद्धेश्वर कॉलोनी मार्ग के हालात भी अब पहले जैसे ही हो गए है। यह वही मार्ग है जहां नगरपालिका ने अप्रेल माह में शहर में सबसे बड़ा अतिक्रमण हटाया था। मगर अब यहां की स्थिति पूर्व की तरह ही हो गई है।

कलेक्टर के निर्देश भी नपा अधिकारियों के सामने हवा -हवाई

अप्रेल माह में चली इस अतिक्रमण मुहिम के बाद स्वयं कलेक्टर ने नगर का निरीक्षण किया था और नगरपालिका सीएमओ एलएस डोडिया को निर्देश दिए थे कि जिन लोगों के अतिक्रमण हटाए गए है उन्हे अस्थाई रूप से प्लानिंग करके शहर के अलग-अलग हिस्सों में बैठाया जाए। ताकि उनकी रोजी-रोटी चलती रहे और शहर का सौंदर्य भी बरकरार रहे। आवागमन भी सुगम हो। लेकिन नगरपालिका अधिकारी ने उस समय तो कलेक्टर साहब के सामने जी हुजूरी कर ली, मगर साहब के पीठ घुमाते ही कलेक्टर के निर्देशों को हवा-हवाई कर दिया। कलेक्टर के दौरे के बावजूद नगरपालिका उनके दिए निर्देशों पर अमल नहीं कर सकी। नतीजा यह हुआ कि जिस अतिक्रमण को अप्रेल माह में साफ किया था, वह तीन माह बाद वापस उसी रूप में दिखाई दे रहा है जैसा पहले दिखाई देता था।

कलेक्टर भी नहीं पलटे वापस

अप्रेल माह में चली नगरपालिका की अतिक्रमण मुहिम के बाद कलेक्टर ने जब नगर भ्रमण किया तो ऐसा प्रतीत होता था मानों झाबुआ की सूरत और सीरत दोनों बदलने वाली है, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। जितने दमखम से कलेक्टर साहब नगर निरीक्षण पर निकले थे, और नगरपालिका सीएमओ को सारी प्लानिंग के निर्देश दिए थे, कलेक्टर साहब का वह दमखम सिर्फ वहीं तक सीमित होकर रह गया। नगरपालिका ने स्थिति को फिर से ढाक के तीन बना दिया। अफसोस इस बात का भी कि नगरपालिका की महाअतिक्रमण मुहिम के बाद कलेक्टर ने जैसे शहर से पीठ ही फैर ली हो, साहब अतिक्रमण मुहिम के बाद फिर कभी शहर के हालात देखने के लिए वापस पलटे ही नहीं वरना उन्हे भी इस बात का अहसास हो जाता कि किस तरह नगरपालिका के जिम्मेदार अधिकारी कलेक्टर के निर्देशों को हवा-हवाई कर देते है।

बाबा बर्फानी के दर्शन करने दर्जनों यात्री अमरनाथ की यात्रा के लिए रवाना

माही की गूंज, थांदला।

जम्मू कश्मीर के प्रसिद्ध तीर्थ बाबा अमरनाथ की यात्रा के लिए थांदलारोड़ व आस-पास के क्षेत्रों के कई यात्री सोमवार को रवाना हुए। यात्रा के दौरान जम्मू - कश्मीर, पंजाब आदि स्थानों पर सभी देवालयों व प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन किये जाएंगे। यात्रियों को सबसे ज्यादा खुशी बाबा बर्फानी, माता वैष्णोदेवी के दर्शन के साथ हिंदुस्तान - पाकिस्तान की चर्चित वाघा बॉर्डर पर देश के जवानों से मिलने को लेकर हो रही है। बाबा अमरनाथ यात्रा में थांदलारोड़ से हेमेन्द्र गिरी, सोहन परमार, रूपसिंह सिंगोड़, नरसिंह मावी व थांदला से भोला भंडारा परिवार सदस्य पवन नाहर आदि अंचल के करीब 60 से ज्यादा यात्री रवाना हुए। जिनका थांदलारोड व्यापारी संघ अध्यक्ष मनीष दीक्षित, जूज़र अली बोहरा, जितेन्द्र पाल, संतोष भाभर, मयनेश गिरी, राजेन्द्र पंचाल, अंकित सिंगोड़, गांव के वरिष्ठ हरीश दीक्षित, कांतिलाल परमार, गेंदालाल प्रजापत व थांदला भोला भंडारा परिवार के मनोज उपाध्याय, राजू धानक, आदि सदस्यों ने पुष्प माला पहनाते हुए उनकी यात्रा मंगलमय होने की कामना कर शुभकामनाएं प्रेषित की।

कल होगा साध्वी श्री जी का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

समाजजनों द्वारा की जाएगी भव्य अगवानी

माही की गूंज, पेटलावद।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापन्थ धर्मसंघ के 11वें अनुशास्ता युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी की विदुषी सुशिष्या शासनश्री साध्वीश्री मधुबालाजी आदि ठाणा कल प्रातः 8 बजकर 35 मिनट पर पारसमलजी पटवा के निवास से विहार कर नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए 9 बजकर 15 मिनट पर तेरापन्थ भवन मे चतुर्मासिक प्रवेश करेंगे। उक्त अवसर पर तेरापंथी सभा, तेरापन्थ युवक परिषद, तेरापन्थ किशोर मण्डल, तेरापन्थ महिला मंडल, तेरापन्थ कन्या मण्डल, अणुव्रत समिति एवं सम्पूर्ण तेरापंथ समाज पेटलावद द्वारा साध्वी वृन्द की अगवानी की जाएगी। साध्वीवृंद के तेरापंथ भवन में प्रवेश पश्चात तेरापंथ समाज से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारीओ तथा श्रावक-श्राविकाओं द्वारा गीत, कविता, मुक्तक आदि के द्वारा साध्वीवृंद का भावपूर्ण स्वागत किया जाएगा। उक्त जानकारी तेरापंथ सभा के मीडिया प्रभारी पियुष पटवा द्वारा दी गई।

क्षेत्र में सीजन की पहली झमाझम बारिश से मिली राहत

किसानों के खिले चेहरे, गर्मी से मिली राहत, पुलिया पर पानी होने से रोड पर लगा जाम

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

कई दिनों से किसानों को झमाझम बारिश का इंतजार था। सारंगी के आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में भी झमाझम बारिश हुई है। मंगलवार को 3 बजे के बाद झमाझम तेज बारिश शुरू हुई जिससे ग्राम वासियों के खुशी से चेहरे खील उठे। मंगलवार दोपहर से ही आसमान पर मंडराते काले घने बादलों के बीच छाए अंधेरे में बारिश शुरू हुई तो हर किसी के चेहरे पर मुस्कान थी। झमाझम बारिश के बीच लोगों ने भीग कर बारिश का स्वागत किया। इस बारिश से निश्चित गर्मी से राहत मिलेगी और औसत बारिश का आंकड़ा भी बढ़ेगा। करीब 3 बजे से रिमझिम से बारिश की शुरुआत हुई तो कुछ ही देर में झमाझम बारिश शुरू हो गई। आसमान में बादलों की वजह से पूरे ग्राम में अंधेरा छा गया वहीं वाहन चलाने वाले को अपनी गाड़ी की लाइट चालू करना पड़ी। इधर बारिश के साथ उमस भरी गर्मी से लोगों को बड़ी राहत मिली। बारिश नहीं होने से किसानों की चिंता बढ़ गई थी ऐसा माना जा रहा है कि अब जिले में मानसून सकरीय रहेगा। जिन किसानों ने बोवनी नहीं की वह भी बोवनी कर देगा। तेज बारिश के कारण गांव के पास के दोनों नाले उफान पर आ गए जिससे यातायात व्यवस्था गड़बड़ा गई। बस स्टैंड नाले के दोनों तरफ सैकड़ों वाहन फंसे रहे। दो प्राइवेट स्कूल की बसें भी रुकी रही जिसमें स्कूल के छोटे-छोटे बच्चे बैठे हुए थे, उनको सारंगी मित्र मंडल के सदस्यों ने सभी बच्चों को नाश्ते की व्यवस्था करवाई।

ग्रामीण अंचलों की शिक्षण व्यवस्था राम भरोसे

माही की गूंज खवासा।

शिक्षा अधिकार अधिनियम के अनुसार 14 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा देना सरकार का कर्तव्य है लेकिन सरकार इस कर्तव्य को कितना पूर्ण कर पा रही है, इसकी बानगी खवासा सहित झाबुआ जिले के ग्रामीण अंचलों में देखने को मिल सकती है। जहां कई स्कूल शिक्षक विहीन है व अतिथि शिक्षकों के भरोसे है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र 17 जून से प्रारंभ हो चुका है इसके पूर्व शिक्षकों के लिए सत्र 9 जून से प्रारंभ होना था लेकिन पंचायत चुनाव के मद्देनजर शिक्षकों का ग्रीष्मावकाश रद्द कर दिया गया था और 27 मई से ही शिक्षकों को स्कूल जाना था। ग्रामीण क्षेत्रों में पालकों से संपर्क कर नवप्रवेषी बच्चों की सूची बनाकर उन्हें शाला में दर्ज करना था और 17 जून को प्रवेशोत्सव मनाना था। जिसमें बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया जाना था लेकिन बालक संकुल खवासा की प्राथमिक शाला ढोलखरा में एक भी बच्चा दर्ज नहीं हुआ, यही नहीं यह शाला शिक्षक वहींन भी है और प्रभारी शिक्षक केवल स्कूल खोलकर अपने कर्तव्य की इतिश्री भर कर रहे हैं। हालांकि चुनावी ड्यूटी के कारण सभी शालाए अपनी पूरी क्षमता के साथ नहीं चल पा रही है।

भवन व अन्य सामान भी क्षतिग्रस्त

बच्चों के खेलने के लिए लगाई जाने वाली फिसलपट्टी भी बीच में से पूरी तरह टूट चुकी है वह तो अच्छा है कि कोई बच्चा भी स्कूल नहीं आ रहा है वरना बच्चों के साथ खेल-खेल में कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। शाला का भवन भी क्षतिग्रस्त है, जबकि शासन द्वारा प्रतिवर्ष मेंटेनेंस राशि जारी की जाती है। यह तो केवल एक मात्र स्कूल है इसी प्रकार अंचल की कई स्कूलों की स्थिति भी इसी प्रकार दयनिय है जो रख-रखाव के अभाव में क्षतिग्रस्त हो रही है और केवल अतिथि शिक्षकों के भरोसे ही चल रही है। बिना शिक्षक के स्कूल का संचालन केवल मध्यप्रदेश में ही संभव है।

छात्र एंव शिक्षक विहीन स्कूल, यह है जिले में शिक्षा की हकीकत।

अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ज्योतिष सम्राट डॉ. अशोक शर्मा को सुयश

माही की गूंज, पेटलावद।

अमेरिकन रिसर्च आर्गेनाइजेशन की संस्था इंटरनेट एस्ट्रोलॉजी फेडरेशन द्वारा आयोजित दिल्ली व थायलैंड में 5 दिवसीय ज्योतिष सम्मेलन में विशिष्ट सम्मानिय अतिथि के रूप में नगर के प्रशिद्ध ज्योतिषी डॉक्टर अशोक शर्मा को आमंत्रित किया है। उल्लेखनीय है कि, डॉ. अशोक शर्मा द्वारा आगम शास्त्रों और वेद पुराण और उपनिषदों के गहन अध्ययन किया जाकर ग्रंथो मे वर्णित विभिन्न ग्रहों और नक्षत्रों के दुष्प्रभाव से जनित हो सकने वाले रोगों पीड़ा परेशानी का प्राकृतिक वनस्पतियों के उपयोगो से शांति उपायो का अनुसंधान कर के पेटलावद नगर को विश्व स्तर पर एक पहचान दिलाई है। अक्टूबर 2022 में बैंकाक में आयोजित विश्व स्तर के ज्योतिष सम्मेलन में डॉ. अशोक शर्मा मेडिकल ऐस्ट्रालोजी पर होने वाली कार्यशाला में ज्योतिष विज्ञान के नवोदित ज्योतिर्विदों का मार्गदर्शन करेंगें। इस शुभ समाचार के अवसर पर नगर के वरिष्ठ समाजसेवी अनोखीलाल मेहता, अनोखीलाल मोदी, सुभाष चाणोदिया,किशोर सोनी, सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष ओम सोनी, रोटरी क्लब के राहुल मुथा, रवि मेहता अनुप मेहता, संजय चाणोदिया, लायंस क्लब के वरिष्ठ पवन भंडारी, वरिष्ठ अभिभाषक व ब्राम्हण समाज के प्रमुख विनोद पुरोहित, जितेन्द्र कटकानी, राजेन्द्र कटारिया सहित नगर के वरिष्ठ नागरिकों द्वारा बधाई दी गई।

सिंगल यूज प्लास्टिक बैन होने के बाद नगर परिषद ने गठित की टास्क फोर्स

कल से समझाइश के साथ भंडारण करने वालों पर होगी कार्यवाही

माही की गूंज, थांदला।

प्लॉस्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम, 2021 के तहत प्लॉस्टिक एवं थर्मोकोल आदि से निर्मित सिंगल यूज प्लॉस्टिक पर 1 जुलाई 2022 से प्रतिबंध लागू हो गया है। इसी को लेकर थांदला नगर परिषद भी सक्रिय दिखाई दे रही। जहां एक ओर विज्ञप्ति जारी कर सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रतिबंध के बारे में जानकारी दे दी है। तो वहीं मुनादी करवाकर भी आम लोगों को इसके बारे में जागरूक किया जाएगा। इसको लेकर जब हमने थांदला नगर परिषद के स्वच्छता निरीक्षक गौरांक सिंह राठौर से बात की तो उनका कहना है कि शासन के निर्देश को लेकर हमने टास्क फोर्स का गठन कर लिया है। जो आज से ही दुकानों पर जाकर लोगों को जागरूक करने का काम करेगी। साथ ही भंडारण और विक्रय करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही करेगी।

प्रतिबंध सिर्फ छोटे दुकानदार तक न हो सीमित

सिंगल यूज प्लॉस्टिक पर प्रतिबंध का स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन अभी भी लोगों को संदेह है कि कहीं यह प्रतिबंध सिर्फ छोटे दुकानदारों तक ही सीमित हो कर न रह जाए। जिसके चलते सिर्फ छोटे दुकानदारों पर कार्यवाही हो और भंडारण करने वाले बड़े स्टॉकिस्ट को छूट मिल जाए।

प्रतिबंध के बाद बढ़ा भाव

नगर के कुछ दुकानदारों ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रतिबंध से वह खुश है। परंतु ग्राहकों में अभी भी यह सोच विकसित नहीं हो पाई है कि हम घर से झोला लेकर बाजार जाए।

ऐसे में मजबूरी में हमें प्लास्टिक थैलियां उपयोग में लानी होती है। प्रतिबंध के बाद लूज़ थैलियों के दाम दोगुना से अधिक बढ़ गए है। ऐसे में स्टॉकिस्ट को काफी फायदा हो रहा है। साथ ही ब्लैक मार्केट को बढ़ावा मिल रहा है।

दुकानों से पहले कारखानों पर लगे प्रतिबंध

नगर के कई दुकानदारों का सोचना है कि सिर्फ छोटे दुकानदारों को समझाने से पहले सरकार और प्रशासन को उन फैक्ट्रियों और कारखानों को बंद करना चाहिए, जिनमें इनका उत्पादन होता है। जब माल बनेगा ही नहीं तो बिकेगा कैसे?

यह है नियम

प्लॉस्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम, 2021 में प्रावधान किया गया है कि प्लॉस्टिक एवं थर्मोकोल की चिन्हित वस्तुओं का उत्पादन, भण्डारण, परिवहन, क्रय-विक्रय एवं उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। इस नियम का पालन नहीं करने वालों से पर्यावरण विभाग जुर्माना वसूल करेगा।

यह होता है सिंगल यूज प्लास्टिक

सिंगल यूज प्लास्टिक ऐसा प्लास्टिक है जिसे एक बार ही इस्तेमाल किया जा सकता है। इन्हें आसानी से नष्ट नहीं किया जा सकता है। इससे प्रदूषण बढ़ता है क्योंकि इसे रिसाइकिल नहीं किया जा सकता और न ही इन्हें जलाया जा सकता है। इससे पर्यावरण में जहरीले रसायन शामिल होते हैं जो इंसान और पशु दोनों के लिए हानिकारक साबित होते हैं।

यह समाग्रियां रहेंगी प्रतिबंधित

- प्लास्टिक स्टिक वाले ईयर बड्स
- गुब्बारों की प्लास्टिक स्टिक
- प्लास्टिक के फ्लैग
- कैंडी स्टिक
- आइसक्रीम स्टिक
- थर्माकॉल
- प्लास्टिक प्लेट्स
- प्लास्टिक कप
- प्लास्टिक पैकिंग का सामान
- प्लास्टिक से बने इनविटेशन कार्ड
- सिगरेट पैकेट्स
- प्लास्टिक और पीवीसी बैनर (100 माइक्रोन से कम)
- इंविटेशन कार्ड्स
- स्टियरर (पेय पदार्थ घोलने में काम आने वाली स्टिक)

संपादकीय

आप सरकार ने शासन के एजेंडे को आगे बढ़या

मान सरकार की मंत्रिपरिषद का विस्तार यूं तो आम आदमी सरकार के शासन के लक्ष्यों को विस्तार देने की कवायद ही है लेकिन साथ ही मंत्रिमंडल में क्षेत्रीय व वर्गीय संतुलन कायम किया गया है। पंजाब में अप्रत्याशित जीत हासिल करके सत्ता में आई आप के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के 3 दिन बाद 19 मार्च को मंत्रिमंडल का हिस्सा बनने पर 10 मंत्रियों ने शपथ ली थी, जिसमें सुशासन के संकल्पों व पार्टी के एजेंडे को

क्रियान्वित करने की आकांक्षाओं को विस्तार दिया गया। मंत्रिमंडल में वरिष्ठता और राजनीतिक समीकरणों के चलते मंत्रियों का चयन किया गया था। उस समय सरकार में 7 मंत्रियों के पद भरने बाकी थे। सरकार बनने के तीन माह बाद होने वाले इस मंत्रिमंडल विस्तार के बावजूद अभी 3 मंत्रियों के पद रिक्त हैं। भले ही मंत्रिमंडल का पहला विस्तार 3 माह बाद हुआ है लेकिन इस दौरान परिस्थितियों में तेजी से बदलाव हुआ है। सरकार कई मोर्चों पर लड़ रही है। लेकिन नए सिरे से पार्टी की लोकप्रियता का आकलन होने लगा है। इस बीच पार्टी ने प्रतिष्ठित संगरूर लोकसभा सीट खोई। इस हार से पार्टी को बड़ा झटका लगा है क्योंकि यह मुख्यमंत्री भगवंत मान की सीट रही है। इस सीट से वे दो बार सांसद भी चुने गए थे। एक मायने में विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद संगरूर चुनाव पार्टी की एक परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा था। उम्मीद थी कि, सरकार अपने कार्यकाल की उपलब्धियों की तार्किक व्याख्या करके सरकार के आभामंडल को विस्तार दे पायेगी, ताकि संगरूर क्षेत्र के मतदाताओं को पार्टी के पक्ष में लाने में कामयाबी मिल सके। यदि आप सरकार इस सीट के चुनाव को गंभीरता से लेती तो पार्टी की लोकप्रियता का ग्राफ गिरता नजर न आता। बहरहाल, सरकार का तीन माह का यह कार्यकाल मिलीजुली उपलब्धियों का ही रहा है। संगरूर की हार ने पार्टी के नीति-नियंताओं को आत्ममंथन करने को जरूर बाध्य किया है।

नि:संदेह, मान सरकार आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय एजेंडे को आगे बढ़ाने की कवायद में जुटी है लेकिन शासन की विसंगतियां भी सामने आ रही हैं। कानून-व्यवस्था के प्रश्न भी सामने आये हैं। सरकार की साख पर लोकप्रिय गायक मूसेवाला की हत्या ने सवाल खड़े किये हैं। हालांकि, भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की मुहिम को लोगों का सकारात्मक प्रतिसाद भी मिला है। मान सरकार यह दिखाने की चेष्टा कर रही है कि, भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम को चलाकर वह जनता से किए वायदे को पूरा कर रही है। वह इस बात को प्रतीकों के रूप में प्रस्तुत कर रही है कि उसने कदाचार के आरोप में अपने ही मंत्री को बर्खास्त करने में संकोच नहीं किया। कुछ नौकरशाहों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की है। लेकिन प्रशासन में अनावश्यक हस्तक्षेप के आक्षेप भी लगे हैं। हालांकि, समग्रता में सरकार की उपलब्धियों का मूल्यांकन करना जल्दबाजी होगी। यह अच्छी बात है कि भूमि को अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराने की कवायद को गति मिली है। वहीं पार्टी के घोषणापत्र में अहम मुद्दा रहे मुफ्त बिजली के वायदे को क्रियान्वित करने को सरकार ने निर्णायक कदम बढ़ा दिये हैं। दिल्ली में आप सरकार की बहुचर्चित मोहल्ला क्लीनिक योजना को अंतिम रूप देने की कोशिश जारी है। यह महज संयोग ही हो सकता है कि पंजाब में आम आदमी सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार ऐसे समय में हुआ है, जब महाराष्ट्र में आश्चर्यजनक घटनाक्रम के बाद बागी विधायकों ने अपनी मूल पार्टी छोड़कर नई सरकार बनवायी है। जिसमें राजनीति के बाजीगरों पर विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोप लगे हैं। निस्संदेह, सत्ता में भागीदारी न मिलने से अलग धड़ा बनाकर सरकार गिराने व बनाने का खेल सभी राजनीतिक दलों के लिये एक चेतावनी जैसा है कि विधायकों की महत्वाकांक्षाओं का भी ध्यान रखना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर यह पंजाब की अब तक की सबसे युवा कैबिनेट सामने आई है, जिसमें आठ मंत्री मालवा से हैं और दोआबा से केवल एक ही। नि:संदेह, अधिकांश मंत्री नये हैं और उनके पास इन दायित्वों का पुराना अनुभव नहीं है। लेकिन सरकार का आगे का कार्य चुनौतीपूर्ण होने वाला है।

इस्लाम को कलंकित करती है कन्हैया की हत्या

तनवीर जाफ़री

मंहगाई, बेरोज़गारी, भय, भूख, भ्रष्टाचार, सांप्रदायिकता, जातिवाद, लोकतांत्रिक, आर्थिक व सीमावर्ती चुनौतियों जैसी अनेक समस्याओं से जूझ रहे हमारे देश में आये दिन कोई न कोई ऐसा 'भूचाल' आ जाता है या जानबूझकर लाया जाता है जिससे देश की यह वास्तविक समस्यायें नेपथ्य में चली जाती हैं। ऐसा ही एक विषय जिसे लेकर विगत एक महीने से भी अधिक समय से पूरा देश उद्वेलित हो रहा है वह है भारतीय जनता पार्टी की प्रवक्ता के रूप में एक भाजपाई नेत्री नूपुर शर्मा द्वारा गत 27 मई को ज्ञानवापी मस्जिद के मुद्दे पर एक टीवी चैनल पर डिबेट के दौरान पैग़ंबर हज़रत मोहम्मद साहब पर की गई एक आपत्तिजनक टिप्पणी। नूपुर शर्मा द्वारा पैग़ंबर मोहम्मद साहब पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद मुस्लिम समुदाय के लोग देश के कई राज्यों में सड़कों पर प्रदर्शन करने उतर आए थे। इस दौरान कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों के उग्र हो जाने के चलते हिंसा भी भड़क उठी थी। कई इस्लामिक देशों ने भी इस टिप्पणी पर भारत सरकार से नाराज़गी दर्ज कराई थी। परिणाम स्वरूप भाजपा ने नूपुर शर्मा को प्रवक्ता पद व पार्टी से हटाते हुए यह भी कहा था कि नूपुर शर्मा का बयान भारत सरकार का मंतव्य नहीं है। परन्तु दो कट्टरपंथी लोगों ने इसी प्रकरण के चलते पिछले दिनों उदयपुर में नुपुर शर्मा समर्थक कन्हैया नामक एक दर्ज़ी की बेरहमी से गला रेत कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि हत्यारों में से एक कुछ समय पूर्व पाकिस्तान भी गया था अतः इस हत्याकांड में पाकिस्तान की कथित साज़िश की भी पड़ताल की जा रही है।

इन सब के बीच इसी प्रकरण में पिछले दिनों देश के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश जेबी परदीवाला की अवकाशकालीन बेंच ने नुपुर शर्मा की एक अर्ज़ी पर सुनवाई करते हुए उसे कड़ी फटकार लगाई और कहा कि शर्मा के बयान ने पूरे देश में अशांति फैला दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी सुनवाई के दौरान नुपुर शर्मा की टिप्पणियों को ÷तकलीफ़देह÷ बताया और कहा कि ÷उनको ऐसा बयान देने की क्या ज़रूरत थी?÷ सर्वोच न्यायालय ने ये सवाल भी किया कि एक टीवी चैनल का एजेंडा चलाने के अलावा ऐसे मामले पर डिबेट करने का क्या मक़सद था, जो पहले ही न्यायालय के अधीन है? माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने शर्मा की बयानबाज़ी पर सवाल किया और कहा, ÷अगर आप एक पार्टी की प्रवक्ता हैं, तो आपके पास इस तरह के बयान देने का लाइसेंस नहीं है.÷ सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि उन्हें टीवी पर जाकर पूरे देश से माफ़ी मांगनी चाहिए थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ÷जिस तरह से नुपुर शर्मा ने देशभर में भावनाओं को उकसाया, ऐसे में देश में ये जो भी हो रहा है उसके लिए वह अकेली ज़िम्मेदार हैं। माननीय अदालत ने यह भी कहा, ÷जब आपके ख़िलाफ़ एफ़आईआर हो और आपको गिरफ़्तार नहीं किया जाए, तो ये आपकी पहुँच को दिखाता है। उन्हें लगता है उनके पीछे लोग हैं और वो ग़ैर-ज़िम्मेदार

बयान देती रहती हैं÷। अदालत ने इसके अतिरिक्त भी अनेक तल्ख़ टिप्पणियां कीं।

उपरोक्त अदालती टिप्पणियों से एक बार फिर यह ज़ाहिर हो गया कि, देश में सत्ता अपने निजी एजेंडे पर चलने के लिये भले ही बेलगाम क्यों न हो परन्तु इसके बावजूद देश में क़ानून का राज है और देश की अदालतों के फ़ैसले ही सर्वमान्य हैं। परन्तु यदि कोई भी पक्ष भावनाओं को भड़काने के नाम पर हिंसा का सहारा ले या निर्मम हत्या का सहारा लेने लगे तो उसे किसी भी क़ीमत पर सही नहीं ठहराया जा सकता। वैसे भी यदि पूरे विश्व में 'भावनाओं को भड़काने' के नाम पर हत्याएं होने लगें और क़ानून के बजाये हिंसा का सहारा लिया जाने लगे फिर तो पूरा संसार ही सुलग उठेगा। आज इस दुनिया में जहां हज़रत इमाम हुसैन के मानने और उनपर अपनी जान तक न्योछावर करने वाले करोड़ों लोग हैं वहीं दुनिया में यज़ीद समर्थक भी मौजूद हैं। राम को आराध्य मानने वाले हैं तो रावण के समर्थक भी मिल जायेंगे। जहां हमारे ही देश में गाँधी को महात्मा कहने व उन्हें अपना आदर्श मानने वाले हैं वहीं उनके हत्यारे गोडसे के चाहने वालों की भी कमी नहीं। तो क्या वैचारिक मतभेद के चलते लोगों की 'भावना आहत' हो और लोग एक दूसरे की हत्या और हिंसा पर उतारू हो जायें ?

कोई भी व्यक्ति किसी के भी विचारों से सहमत या असहमत हो सकता है। अकेले कन्हैया लाल ही नुपुर शर्मा का समर्थक नहीं बल्कि लाखों लोग उसके साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। यदि उदयपुर जैसी घटना हर जगह घटित होने लगे फिर तो न क़ानून बचेगा न देश न ही इंसानियत। वैसे भी क्रूर हत्यारों ने जिस तरह कन्हैया की हत्या कर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक को धमकी दे डाली और हत्या की वीडिओ बनाकर सोशल मीडिया पर डालने जैसा दुस्साहस किया वह निश्चित रूप से न केवल अक्षम्य अपराध है बल्कि यह किसी बड़ी साज़िश का हिस्सा भी प्रतीत होता है। इस्लाम धर्म वैसे भी बदले से अधिक क्षमा करने की प्रेरणा देता है। अपने उद्भव काल से लेकर आज तक पूरे विश्व में इस्लाम की बदनामी व रुस्वाई का कारण ही कट्टरपंथी व अतिवादी मुसलमानों के हिंसक कारनामे रहे हैं। करबला से लेकर तालिबानी अफ़ग़ानिस्तान तक इसके अनेक उदाहरण नज़र आते हैं। नुपुर शर्मा के आपत्तिजनक बयान से दुनिया के मुसलमानों में जितना उबाल आया था वैसी ही स्थिति कन्हैया की बेरहमी से की गयी हत्या के बाद खड़ी हो गयी है। मुसलमानों के विरोध के मौक़े की तलाश में बैठे लोगों को एक बार फिर 'ऊर्जा' मिल गयी है जिसके ज़िम्मेदार कन्हैया के हत्यारे तथा ' धार्मिक भावनाओं ' के नाम पर हिंसा भड़काने वाले अतिवादी प्रवृति के लोग हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि इस्लाम और इंसानियत दोनों को ही कलंकित करती है कन्हैय्या की नृशंस हत्या।

लैंगिक भेदभाव से मुक्त कानून से ही न्याय

क्षमा शर्मा

हाल ही में केरल हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश ने कहा कि, यदि किसी महिला के साथ दुष्कर्म होता है, उसे शादी का झांसा दिया जाता है, उसे फंसाया जाता है तो वह कानून की मदद लेकर अपराधी को सजा दिला सकती है, मगर यदि किसी पुरुष के साथ ऐसा हो, तो उसे कानून की कोई मदद नहीं मिलती। यह किस तरह का कानून है। कानून को लैंगिक भेदभाव से मुक्त होना चाहिए। इससे पहले एक और मुकदमे में भी वह ऐसे ही विचार रख चुके हैं।

पिछले दिनों केरल के ही एक अभिनेता और निर्देशक पर एक अभिनेत्री ने दुष्कर्म का आरोप लगाया तो उन्होंने अपने फेसबुक लाइव में उस अभिनेत्री का नाम लिया जबकि ऐसा करना कानूनन अपराध है। लेकिन इस अभिनेता ने कहा कि, जब मेरा नाम खुलेआम लिया जा रहा है तो मैं उस अभिनेत्री का नाम क्यों न लूं। क्या कोई समझ सकता है कि इस तरह के आरोप के बाद मेरे परिवार, मित्र, नाते-रिश्तेदारों पर क्या बीत रही है। अभिनेता की पोस्ट पर बहुत लोगों ने कहा कि आजकल ऐसा ही हो रहा है। इस तरह के झूठे मामले बढ़ते ही जा रहे हैं।

नेशनल क्राइम ब्यूरो के अनुसार 2020 में हर रोज भारत में सतहत्तर दुष्कर्म के मामले दर्ज किए गए थे। वर्ष 2014 में दिल्ली महिला कमीशन ने एक रिपोर्ट में बताया था कि अप्रैल, 2013 से जुलाई, 2014 तक दुष्कर्म के जितने मामले दर्ज कराए थे, उनमें से 53.2 प्रतिशत झूठे पाए गए थे। दर्ज कराए गए 2753 मामलों में 1287 मामले सही और 1464 झूठे थे। सोचें कि जब एक साल का आंकड़ा यह है, तो एक दशक का कितना होगा। कहा तो यह भी जाता है कि भारत में नए दुष्कर्म कानून बनने के बाद झूठे मामले बढ़ते जा रहे हैं। यह भी बताया जाता है कि अक्सर जब किसी कारण से शादी नहीं हो पाती, माता-पिता को पता चलता है कि लड़की, लड़के के साथ लिव इन में थी, या कि दोनों के बीच संबंध रहे हैं और अब शादी नहीं हो पा रही, तो उन्हें लगता है कि इससे समाज में बहुत बदनामी होगी। इसलिए बहुत से मामलों में वे लड़कियों पर दुष्कर्म का मामला दर्ज कराने का दबाव डालते हैं। कई बार अन्य कारणों जैसे प्रॉपर्टी, या लड़के के माता-पिता के साथ रहना, कोई प्रेम प्रसंग, लिव इन का टूट जाना, लड़ाई के बाद बदला लेने के लिए आदि के कारण भी ऐसे मामले दर्ज करा दिए जाते हैं। कुछ उदाहरण देखिए-इसी साल अप्रैल में एक स्त्री ने अपने पति पर आरोप लगाया था कि उसके पति ने शादी से पहले उसके साथ दुष्कर्म किया था। लेकिन अदालत में वह इस बात को साबित नहीं कर पाई थी। तब अदालत ने उस पर दस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया था।

इंदौर में भी एक महिला ने अपने पड़ोसी और उसके दोस्तों पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया था। बाद में जांच के दौरान पता चला कि इससे पहले भी वह ऐसा आरोप लगा चुकी है। सरकार की तरफ से उसे दो लाख का मुआवजा भी दिया गया था। बहुत से लोग कहते हैं कि झूठे मामलों की बाढ़ का कारण सरकारों की तरफ से मिलने वाला मुआवजा भी है। सबसे ज्यादा हैरत तो यह देखकर होती है, कई बार यदि ऐसे मामलों में लड़की की जान चली जाए तो उसके घर वालों को तरह-तरह के आर्थिक लाभ से लाद दिया जाता है। इसमें बहुत से राजनैतिक दल बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। आखिर क्यों? लड़की के साथ

अपराध हुआ, उसकी जान चली गई, बदले में पीड़िता के घर वालों को क्यों ऐसे लाभ मिलने चाहिए। इन कारणों से माता-पिता में भी लालच की भावना बढ़ती है। मुआवजे की आस में बहुत बार वे भी अपनी ही लड़कियों से ऐसे केस दर्ज करा देते हैं। जो कई बार झूठे पाए जाते हैं।

गाजियाबाद में भी एक महिला ने पड़ोसी पर आरोप लगाया था कि उसने उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म किया है, बाद में यह मामला भी झूठा साबित हुआ था। महिला पर जुर्माना भी लगाया गया था। आपको उत्तर प्रदेश के विष्णु तिवारी का मामला तो याद ही होगा, जिसने झूठे दुष्कर्म आरोप के कारण पूरे बीस साल जेल में बिताए। जब बाहर आया तो न तो परिवार का कोई सदस्य जिंदा था, कच्चा घर ढह गया था। पास में फूटी कौड़ी नहीं थी, जिससे कोई काम-धंधा शुरू कर सके।

अब जब अदालतें और न्यायाधीश भी इस तरह के मामलों पर टिप्पणी कर रहे हैं, ऐसे केसों को झूठा पाए जाने पर महिलाओं को चेतावनी दे रहे हैं, उन पर मुकदमा चलाने के आदेश दे रहे हैं तो इन बातों पर विचार करना जरूरी है कि जब भी महिलाओं के हितों के कानून बनाए जाएं, उन्हें लैंगिक भेदभाव से मुक्त रखा जाए। जिससे कि जो भी सताया गया हो, चाहे स्त्री हो या पुरुष, उसे कानून की मदद मिल सके। ऐसा न हो कि झूठे आरोप लगाने पर भी किसी को सजा हो और कोई झूठे आरोपों के कारण जिंदगी भर के लिए नेस्तनाबूद हो जाए।

एक बात और, जैसे ही किसी पर दुष्कर्म का आरोप लगता है, उसके फोटो, नाम सब मीडिया द्वारा लगातार सार्वजनिक कर दिए जाते हैं। बार-बार फोटो दिखाए जाते हैं। आरोपी को एक तरह से अपराधी ही साबित कर दिया जाता है। लेकिन जब यही व्यक्ति आरोप मुक्त हो जाता है तो कहीं कोई खबर नहीं आती। जबकि लड़की का न नाम सार्वजनिक किया जाता है, न ही कोई फोटो दिखाई जाती है, चाहे आरोप झूठा साबित हो जाए। इसलिए यह भी जरूरी है कि जब तक आरोप साबित न हो जाएं, जिस तरह से लड़कियों की पहचान छिपाई जाती है, लड़कों की भी पहचान छिपाई जानी चाहिए। आखिर उनके मानव अधिकारों का ध्यान भी रखा जाना चाहिए। यदि यह माना जाता है कि लड़की की पहचान इसलिए छिपाई जानी चाहिए जिससे कि उसे सामाजिक बदनामी न झेलनी पड़े, तो लड़कों के बारे में भी यही सच है। ऐसा क्यों मान लिया गया कि लड़कों को सामाजिक बदनामी और बहिष्कार का कोई डर नहीं होता।

इसके अलावा न केवल दुष्कर्म कानून बल्कि यौन प्रताड़ना कानून, दहेज कानून, घरेलू हिंसा कानूनों में भी सुधार की जरूरत है। जिन कानूनों में मात्र नाम लगते ही गिरफ्तारी की जाती है, जब तक आरोप साबित न हो जाएं तब तक किसी को गिरफ्तार न किया जाए। कई बार तो दहेज कानून के अंतर्गत सारे नाते-रिश्तेदारों के नाम लगा दिए जाते हैं। बहुत से मामलों में भारी रकम लेकर समझौते किए जाते हैं।

यदि लड़कियों को सचमुच कानून की मदद चाहिए तो उन्हें उन लड़कियों, महिलाओं से खुद को अलग करना होगा, जो निजी लाभ या किसी से बदला लेने अथवा सबक सिखाने या ब्लैकमेलिंग के लिए उन कानूनों का दुरुपयोग करती हैं, जो सताई गई महिलाओं की मदद के लिए बनाए गए हैं। इसके अलावा जब भी कोई नया कानून बने, उससे पहले न केवल स्त्रियों, बल्कि पुरुषों की राय भी ली जाए। तभी कानून वास्तविक रूप से सभी को मदद दे सकते हैं। उन्हें एकपक्षीय हर्गिज नहीं होना चाहिए।

विदेशी निवेश और आर्थिक सुरक्षा में हो समन्वय

तरुण दास

इस वक्त विश्व का हर मुल्क उतार-चढ़ाव और अत्यंत चुनौतीपूर्ण एवं अनिश्चितता भरे समय का सामना कर रहा है। वह देश जिनके पास काबिलियत है, अपने विकास और आर्थिकी को उच्चतम संभावित स्तर पर ले जाने की खातिर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के रूप में बाहरी स्रोत पाना चाहते हैं। भारत भी विदेशी निवेश की चाहत रखता है, जिससे कि नई तकनीक और रोजगार मिलें और अतिरिक्त स्रोत पैदा हों। अनुमान लगाया गया है कि भारत के प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रति व्यक्ति विदेशी प्रत्यक्ष निवेश लगभग 60 डॉलर है। यह अच्छा है और फिलहाल भारत वह देश है, जिसकी विकास दर इस मामले में सबसे ऊंची है।

लेकिन करोड़ों की संख्या में नए रोजगार पैदा करने, गरीबी से निजात पाने और भारत को जिस तरह की अनेकानेक समस्याएं दरपेश हैं, उनका हल निकालने के लिए प्रति व्यक्ति प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 100 डॉलर होना जरूरी हो जाता है। किंतु प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में हमारा स्थान अच्छा रहने के बावजूद क्या हम यह स्तर पा सकेंगे? और ऐसी दुनिया में यह संभव है जहां आज विदेशी निवेश पाने में भारी प्रतिस्पर्धा हो और सभी देश पूंजी लगाने वालों को बेहतर आकर्षक प्रोत्साहन देकर रिझाने में लगे हैं। प्रतिस्पर्धा जिंदगी का एक रोचक अवयव भी है, यह दबाव पैदा करती है और नूतन विचारों और रणनीति का उद्भव होता है। भारत आगे बढ़ सकता है मगर कुछ कारकों पर ध्यान देना जरूरी है।

सर्वप्रथम, विदेशी निवेशकों का एक बहुत बड़ा मसला यह रहा है कि किसी कंपनी में उनकी हिस्सेदारी 50 फीसदी से अधिक होने पर रोक थी। आज अधिकांश क्षेत्रों में इसकी इजाजत है। यहां तक कि रक्षा उद्योग और बीमा क्षेत्र में भी, दीगर संयुक्त उपक्रमों में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 74 प्रतिशत तक रहने की छूट दे गई है। यह सोचकर कि कहीं कंपनियों का नियंत्रण और नियमन विदेशी निवेशकों के हाथ में न चला जाए इसलिए हिस्सेदारी में उनकी ऊपरी सीमा 50 फीसदी तक सीमित रखने की मानसिक-ग्रंथि का नतीजा यह अवयव था।

द्वितीय, भारत में सरकारी दफ्तरों में कामकाजी प्रक्रिया और गति कभी तेज नहीं रही। वास्तव में एकल खिड़की सुविधा नहीं थी, खासकर उन उद्यमों में जहां केंद्रीय और राज्य सरकारें, दोनों की मंजूरी लेना शामिल हो। बहुत से देशों में विदेशी निवेशकों को बढ़ावा देने और त्वरित हरी झंडी देने के लिए एक शक्ति-संपन्न बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट नामक अलग विभाग है। भारत में जिस कदर बाबूडम हावी है, जरूरी है इसके मद्देनज़र प्रधानमंत्री कार्यालय के तहत बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट बनाकर इसका अलग सचिवालय हो। जब 1991-96 के बीच विदेशी निवेश प्रोत्साहन बोर्ड के रूप में ऐसी व्यवस्था हुआ करती थी। बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट और विदेशी निवेश प्रोत्साहन बोर्ड की अध्यक्षता भारत सरकार का वह सचिव करे, जिसकी वरिष्ठता का सम्मान सब करते हों। जो भी प्रस्ताव आए उसे 90 दिनों के भीतर मंजूरी मिले या वापस भेजा जाए। इन्वेस्टमेंट इंडिया नामक एक संस्था जरूर है, लेकिन यदि प्रति व्यक्ति 100 डॉलर विदेशी निवेश पाने का लक्ष्य पाना है तो प्रधानमंत्री कार्यालय को और ज्यादा भूमिका निभानी होगी।

तृतीय, भारत को विदेशी निवेश पाने के लिए विश्व की चोटी की 500 कंपनियों तक पैठ बनाने के लिए एक गतिशील रणनीति बनाने की जरूरत है। आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव और उद्योगों के स्थानांतर पर बहुत कुछ कहा जा चुका है परंतु भारत में इन विचारों का लाभ कम ही हुआ है। एशिया में विदेशी निवेश की आमद का असली फायदा वियतनाम और थाइलैंड को हुआ है। उनके बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट गतिशील प्रोत्साहन नीति का पालन के अलावा एक सुचारु मंजूरी प्रक्रिया रखते हैं।

चतुर्थ, हमारी बहुत-सी नीतियों में कही बातें साफ न होने से स्पष्टता की कमी रहती है और निर्णय लेने में देरी होती है। नीतियां सुस्पष्ट शब्दों में हों जिन्हें पढ़ने वाला आसानी से

समझ ले। यह काम भारतीय नीति एवं प्रक्रिया की इबारत लिखने वालों के लिए एक चुनौती है। हर बार जो प्रारूप छपता है, उसके अलग मायने निकलते हैं और इससे देरी और भ्रष्टाचार का मौका बनता है। देरी होना मायने कई तरह का घाटा।

पंचम, प्रक्रिया नीतियों की निरंतरता स्थाई बनाई जाए। न कोई यू-टर्न हो, न आश्चर्यभरा कदम। न ही विगत के संदर्भ में कार्रवाई हो। जब बात भारत की आए तो यह वह मसले हैं जो विदेशी निवेशकों को पूंजी लगाने में डरा देते हैं। भारत को एक ऐसा देश माना जाता है जहां 'कभी रोका-कभी जाने दिया' प्रवृत्ति है, जब चाहा प्रक्रिया बदल जाती है और जो नीतियों में निरंतरता बरतने में यकीन नहीं रखता। विदेशी निवेशकों के लिए यह बड़ी समस्या है। उन्हें वास्तविक आश्वासन सिर्फ तभी मिल पाएगा जब संसद में इस पर बाकायदा कानून और अधिनियम पारित हो। यह भी कि विगत के संदर्भ में कार्रवाई नहीं होगी।

छष्ठम, भारत को विश्वसनीय संयुक्त उद्यम साझीदार पाने में एक मुश्किल देश माना जाता है। फिर चाहे यह कंपनी सार्वजनिक हो या निजी क्षेत्र की। कुछेक भारतीय कंपनियों की साख और विश्वसनीयता की वजह से विदेशी निवेशक साझेदारी बनाने में दिलचस्पी उन तक केंद्रित रखते हैं। यह मसला सरकारें नहीं सुलझा सकेंगी। यह निजी क्षेत्र का मामला है और विगत में ऐसे बहुत से संयुक्त उद्यम हुए हैं, जो 'सांस्कृतिक भिन्नता' की वजह से टूट गए। इसलिए आगे की राह में सावधानी रखना ही सबसे सही होगा और दृष्टिकोण लंबी अवधि वाला रखना जरूरी है।

सप्तम, भारत में पूंजी लगाने के लिए प्रेरित करने के लिए विदेशी निवेशकों को निरंतर सजग रखना जरूरी है। हमारा देश एक जरूर है लेकिन हर सूबा दूसरे से भिन्न है। राज्य से राज्य के बीच रीति-रिवाज, संस्कृति, भाषा बदल जाती है और राज्य सरकारों की ज्यादातर जिंदगी पांच साल होती है, सरकार बदलने के साथ नीतियां भी नई बनती हैं। यह कुछेक विषय हैं जिनके बारे में विदेशियों को पूर्व में चेताकर गलतियां न करने में मदद की जाए ताकि बाद में इल्जाम भारत पर न लगाएं।

अष्टम, जहां भारतीय नीतियों का ज्यादा ध्यान बड़ी अर्थव्यवस्थाएं जैसे कि अमेरिका, दक्षिण कोरिया, यूके, फ्रांस, जर्मनी और इटली के निवेशकों को आकर्षित करने पर केंद्रित रहता है वहीं किसी अन्य राष्ट्र विशेष की विशिष्ट तकनीक के आधार पर नीतियां और योजना बनाने की आवश्यकता पर ध्यान देना भी जरूरी है। इस बाबत छोटी अर्थव्यवस्थाओं का महत्व भी बड़े मुल्कों जितना है, जैसे कि इस्राइल, यूएई, सिंगापुर, नॉर्वे, स्वीडन, फिनलैंड और डेनमार्क इत्यादि जिनके पास अपनी विशिष्ट तकनीकें हैं, अतएव इनके लिए अलग से विशेष नीति बनाई जाए। भारतीय उद्योग जगत के लिए भी वक्त के साथ ढलना और नया अपनाना जरूरी है।

नवम, भारत को नवीनतम डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल करते हुए विदेशी निवेश रणनीति प्रकोष्ठ बनाने की जरूरत है, जहां पर व्यापार, निवेश, कंपनियां, तकनीक, क्षेत्र, कार्यबल, अनिवासी भारतीय समुदाय की भूमिका इत्यादि संबंधी डाटा तत्काल उपलब्ध हों। यह प्रकोष्ठ की भूमिका विदेशी प्रत्यक्ष निवेश पाने में काफी होगी क्योंकि आजकल रोजाना बदलते परिवेश में वास्तविक समय वाले डाटा का बहुत महत्व है।

प्रति व्यक्ति विदेशी प्रत्यक्ष निवेश 100 डॉलर का लक्ष्य पाने में उपरोक्त बताए अवयव जरूरी कारकों में हैं। भारत की वैश्विक स्थिति तब फिर बहुत महत्वपूर्ण हो जाएगी। साथ ही इसका सकारात्मक प्रभाव रोजगार, विकास और वृद्धि पर होगा! ठीक इसी समय, राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा हितों का भी ध्यान रखना होगा। यह सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय एक मुफीद संस्था रहेगी। पिछले कुछ सालों में, भारत ने आर्थिक सुरक्षा से संबंधित लंबित पड़े कुछ जरूरी कदम उठाए हैं जो आगे जारी रहें।

आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने गई पुलिस टीम पर आरोपियों ने किया हमला

आरोपी पुलिस की गिरफ्त में, अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

माही की गूंज, मंदसौर।

लूट के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने गई पुलिस टीम पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने सख्त एक्शन लिया है। इस घटना में टीआई अमित सोनी गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें इलाज के लिए इंदौर भेजा गया। घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इन आरोपियों का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। वीडियो में आरोपियों के हाथ-पैर बंधे हैं और वे ठीक से चल भी नहीं पा रहे। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि पुलिस ने आरोपियों की 'खासी खातिरदारी' की है।

बता दें कि, 27 जून को आरोपियों ने इंस्पेक्टर अमित सोनी पर चाकू से हमला किया था। वे पुलिस टीम के साथ दलोदा में लोहा व्यापारी अली असगर बोहरा के साथ लूट की वारदात करने वाले आरोपियों को पकड़ने गए थे। घटना के तीन आरोपी हमलावरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। साथ ही जिन लोगों ने आरोपियों को घरों में पनाह दी थी, उनके मकान पर सोमवार को बुलडोजर चलवा दिया।

गौरतलब है कि, मप्र में भी उत्तर प्रदेश की तर्ज पर गंभीर अपराध करने वालों के अवैध मकानों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। खरगोन, उज्जैन, जबलपुर, रीवा समेत कई नगरों में आरोपियों के कब्जे वाली संपत्तियों को तोड़ दिया गया।

ये है मामला

वारदात को अंजाम देने वाला बदमाश सरफराज उर्फ छोटा मेवाती उदयपुर राजस्थान का रहने वाला है। पुलिस को सूचना थी कि वह ग्राम बरखेड़ा गंगासा क्षेत्र में छिपा है। इसी सूचना पर मंदसौर कोतवाली थाना प्रभारी अमित सोनी ने अपनी टीम के साथ छापेमारी की और छोटा मेवाती को पकड़ लिया था। इसी दौरान उसे छुड़ाने के लिए साथी सनवर ने चाकू से कातिलाना हमला कर दिया। इस हमले में थाना प्रभारी गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

अपराधियों पर बुलडोजर की कार्रवाई

मंदसौर में एक बार फिर अपराधियों पर बुलडोजर की कार्रवाई हुई है। टीआई अमित सोनी पर हमला करने वाले आरोपियों के सहयोगियों पर प्रशासन की कार्रवाई सोमवार शाम तक चली, इस कार्रवाई में आरोपियों के 10 अवैध निर्माण तोड़े गए, इस संपत्ति की कीमत डेढ़ करोड़ रुपए आंकी गई है। मंदसौर के संजीत मगरा में 7 आरोपियों के 45 लाख कीमत के 7 अवैध निर्माण तोड़े गए, वही गरोठ के बरखेड़ा गंगासा में तीन आरोपियों के अवेध मकान तोड़े गए जिनकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ रुपए है। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा।

5 घंटे तक चली कार्रवाई

अपराधियों पर उक्त कार्रवाई गरोठ में लगभग 5 घंटे चली, कार्रवाई में एएसपी महेंद्र तारनेकर के नेतृत्व में पुलिस बल की मौजूदगी में 3 मकानों को 2 जेसीबी की मदद से गिराया गया। वहीं संजीत में एसडीओपी नरेंद्र सोलंकी और राजस्व विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में 7 मकानों को तोड़ा गया।

एडिशनल एसपी गोतम सोलंकी ने बताया कि, टीआई अमित सोनी पर हमला करने वाले आरोपियों पर प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। 3 आरोपियों को गिरफ्तार कोर्ट में पेश किया गया और 10 संदिग्धों को चिन्हित किया गया है कुछ चिन्हित हिरासत में हैं। चिन्हित किए गए आरोपियों की अवैध संपत्ति पर प्रशासन ने कार्रवाई की है और सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

तीसरे चरण में रतलाम, जावरा एवं पिपलोदा में होगा 8 जुलाई को मतदान

माही की गूंज, रतलाम।

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन तीसरे चरण में 8 जुलाई शुक्रवार को मतदान होगा। तीसरे चरण के मतदान में रतलाम जिले के रतलाम, जावरा एवं पिपलोदा विकासखंड में प्रातः 7 बजे से अपराह्न 3 बजे तक मतदान होगा। मतदान दलों को मतदान सामग्री प्रदान कर 7 जुलाई को मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया जाएगा। पंचायत निर्वाचन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक, भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. अशोक भार्गव की मौजूदगी में रतलाम, जावरा एवं पिपलोदा के मतदान दलों का रेंडमाइजेशन एनआईसी कक्ष में किया गया।

कलेक्टर जिला निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी, उपजिला निर्वाचन अधिकारी अपर कलेक्टर एमएल आर्य, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती जमुना भिड़े, संयुक्त कलेक्टर अभिषेक गेहलोत एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। रतलाम जनपद क्षेत्र में 25 वार्ड के लिए निर्वाचन होना। यहां 97 ग्राम पंचायतों में 1 हजार 709 वार्ड हैं। स्थापित मतदान केंद्रों की संख्या 343 है। रतलाम जनपद क्षेत्र में मतदाताओं की कुल संख्या 1 लाख 92 हजार 348 हैं जिनमें पुरुष 97 हजार 124, महिला 95 हजार 220 एवं अन्य 4 मतदाता शामिल हैं। जावरा जनपद क्षेत्र में 22 वार्ड के लिए निर्वाचन होना। यहां 68 ग्राम पंचायतों में 1 हजार 199 वार्ड हैं। स्थापित मतदान केंद्रों की संख्या 215 है। जावरा जनपद क्षेत्र में मतदाताओं की कुल संख्या 1 लाख 16 हजार 114 हैं जिनमें पुरुष 59 हजार 310 , महिला 56 हजार 800 एवं अन्य 4 मतदाता शामिल हैं।पिपलौदा जनपद क्षेत्र में 19 वार्ड के लिए निर्वाचन होना। यहां 52 ग्राम पंचायतों में 892 वार्ड हैं। स्थापित मतदान केंद्रों की संख्या 168 है। पिपलौदा जनपद क्षेत्र में मतदाताओं की कुल संख्या 97 हजार 68 हैं जिनमें पुरुष 49 हजार 84 , महिला 47 हजार 983 एवं अन्य 1 मतदाता शामिल हैं।

भाजपा के गढ़ में कांग्रेस ने लगाई सेंध, जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर दोनों दलों की लगी आस

माही की गूंज, मंदसौर।

देश का त्यौहार आमजन का त्यौहार कहे जाने वाले चुनाव का दौर जिले कि हर तहसील हर पंचायत में चल रहा है। कहीं मतदान हो चुके हैं तो कहीं मतदान होना बाकी है। किस्मत आजमा रहे उम्मीदवार का फैसला जनता कर चुकी है तो कहीं अभी भी उम्मीदवार जनता को लुभाने में मान मनावर करने में लगे हैं। जिस हिसाब से इस बार चुनाव के फैसले आ रहे हैं उस हिसाब से कई राजनीतिक नेताओं के सूत्रों पर पानी फिर रहा है। सबसे अच्छी बात तो यह है कि, इस बार मंदसौर जिले के अंदर नगरी निकाय त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव साथ में होने के कारण जिले में हर जगह चुनावी माहौल नजर आ रहा है।

जिला पंचायत से कुल 17 वार्डो में 6 भाजपा और 5 कांग्रेस की झोली में

जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी किसके पास जाएगी तीसरे चरण में सभी दिग्गज नेता जोर लगाने लगे हैं। जहां भाजपा इस कुर्सी को अपने पास रखना चाहती है वही कांग्रेस को को भी उम्मीद नजर आने लगी है। जिला पंचायत सदस्य के पहले चरण में इनका रहा कब्जा इनमें वार्ड नं 4 से कांग्रेस के दीपक चौहान और वार्ड नं 5 से भाजपा की निर्मला नरेंद्र पाटीदार ने जीत दर्ज की। वहीं वार्ड 6 से निर्दलीय उम्मीदवार बसंतीलाल मालवीय और वार्ड 7 से विजय मेहता ने जीत दर्ज की। वार्ड नं 8 की बात करें तो यहां सोहन बाई मनोहर धाकड़ जीती। सीतामऊ भानपुरा की 6 सीटों पर जिला पंचायत के वार्ड 9 से कांग्रेस के जगदीश धनगर फौजी, वार्ड 10 से भाजपा पूर्व विधायक राघेश्याम पाटीदार की पुत्रवधू दुर्गा विजय पाटीदार, वार्ड 11 से कांग्रेस की दीपिका कर्मवीर सिंह भाटी, वार्ड 12 से कांग्रेस की अल्पना विनोद सूर्यवंशी, वार्ड 16 से कांग्रेस के रामेश्वर रावत और वार्ड 17 से भाजपा से दिवंगत विधायक की राजेश यादव की पुत्रवधू मनुप्रिया विनीत यादव ने जीत दर्ज की है।

मंदसौर के दो चरणों में हुए चुनाव में भजपा के गढ़ में कांग्रेस ने सेंध लगाई है। इस बार जहा कांग्रेस की उम्मीद नहीं थी वंहा कांग्रेस ने जगह बनाई है। जिले के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले चरण में जिला पंचायत की 5 और दूसरे चरण की 6 सीटों पर हुए चुनाव में 6 भाजपा को मिली है जबकि 4 कांग्रेस को मिली है। अब जिला पंचायत से कुल 17 वार्डो में 6 भाजपा और 5 कांग्रेस की झोली में गई है। लिहाजा अब तीसरे चरण के चुनाव पर सबकी नजरे टिकी है। तीसरा चरण ही जिला पंचायत की के कुर्सी का पैमाना तय करेगा।

मंदसौर जनपद अध्यक्ष की कुर्सी पर दोनों ही दलों की निगाहें टिकी

मंदसौर में पहले चरण के चुनाव के बाद अब मंदसौर जनपद अध्यक्ष की कुर्सी पर दोनों ही दलों की निगाहें टिकी हुई हैं। ऐसे में अब वार्डों में जीत कर आए उम्मीदवारों के साथ जोड़तोड़ का गणित शुरू हो गया है। हालांकि अधिकृत घोषणा 15 जुलाई को होना है। लेकिन मतगणना के दौरान सामने आए आंकड़ो से पार्टियां अब जनपद की कुर्सी हथियाने में गठबंधन और जोड़ तोड़ की गणित में जुट गई हैं। मंदसौर जनपद के 25 वार्डों में भाजपा को बहुमत मिला है। लिहाजा मंदसौर जनपद पर भाजपा का कब्जा बनाता दिखाई दे रहा है। यहां जनपद के 25 वार्डों में 17 वार्ड भाजपा के खाते में गए हैं इनमें 3 बागी उम्मीदवार ने जीत दर्ज की है। वहीं कांग्रेस 8 वार्ड पर ही सिमट गई । ऐसे में कांग्रेस की उम्मीदे कम ही नजर आ रही है। जनपद अध्यक्ष के लिए दो तिहाई बहुमत चाहिए जो भाजपा के पास नजर आ रहा है।

बात करे भानपुरा जनपद पंचायत की तो कांग्रेस ने अपना परचम भानपुरा जनपद पर लहरा दिया है। 15 सीटों में से 13 पर कांग्रेस प्रत्याशियों के नाम हुई है तो वही मात्र 2 सीटों पर भाजपा प्रत्याशी जीत कर आए। भानपुरा में भी जनपद अध्यक्ष के लिए कांग्रेस के आला अधिकारी ने चेहरा ढूंढना शुरू कर दिया है। पूर्व मंत्री सुभाष कुमार सोजतिया की सक्रियता इस बार गरोठ भानपुरा क्षेत्र में भाजपा मुक्त इतिहास रच सकती है जनपद के चुनाव के बाद पूर्व मंत्री का पूरा ध्यान नगरी निकाय पर लगा हुआ है।

मंदसौर में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के अंतर्गत तीसरे चरण का चुनाव प्रचार थम गया। अंतिम दिन प्रत्याशियों ने प्रचार में ताकत झोंक दी। अब प्रत्याशी मतदाताओं के घर घर दस्तक देंगे लेकिन अब न तो प्रचार का शोर होगा ना साथ समर्थको का हुजूम। तीसरे चरण में मल्हारगढ़ और गरोठ विकासखण्ड के लिए 542 मतदान केंद्रों से 2 लाख 91 हजार 653 मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे। मल्हारगढ़ जनपद में 241 मतदान केंद्र बनाए गए है। वही गरोठ जनपद में 301 मतदान केंद्र बनाए गए है।

43 हजार रूपए की अवैध मदिरा एवं महुआ लहान जप्त

माही की गूंज, रतलाम। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव एवं नगरीय निकाय चुनाव के परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के आदेशानुसार, सहायक आबकारी आयुक्त नीरजा श्रीवास्तव एवं नगर पुलिस अधीक्षक जावरा अभिषेक आनन्द के निर्देशन एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी एमएल माडरे, एनआर वास्कले एवं टीआई ओद्योगिक थाना क्षैत्र प्रकाश गडरिया के नेतृत्व में अवैध मदिरा संग्रहण, परिवहन, विक्रय और उत्पादन के विरुद्ध चलाये जा रहे सतत अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जावरा के ग्राम उकेडिया में तलाशी के दौरान तीन अलग-अलग स्थानो से कुल 700 किलो महुआ लहान व 40 लिटर कच्ची हाथ भट्टी बरामद कर आबकारी अधिनियम 34 (1) च के तहत अज्ञात के विरुद्ध कायम कर जावरा वृत्त (अ) प्रभारी अशोक दवे द्वारा विवेचना मे लिये गये। जप्त मदिरा का अनुमानित मूल्य 43 हजार रुपये है। उक्त कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक अविनाश भूरिया, केके पडरिया, पुष्पराजसिह चोहान, चेतन वेद, मीनाक्षी रेवाले, पुलिस उपनिरीक्षक राजेश मालवीय, प्रियंका चोहान, दिनेश राठोर, एएसआई प्रदीप टोप्पो, कमलेश सीनम का योगदान रहा।

हर मतदाता का मत बेहद कीमती- कलेक्टर श्री सिंह

माही की गूंज, मंदसौर। कलेक्टर गौतम सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने मदारपुरा, मंडीगेट, गुदरी, कोर्ट क्षेत्र मंदसौर शहर तथा नगर परिषद नगरी के संवेदनशील तथा सामान्य मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने मतदाताओं से कहा कि, हर मतदाता का मत बेहद कीमती है। इसका सही उपयोग करें। मतदान कर्मियों से भी कहा कि वे शांतिपूर्वक तरीके से मतदान करवाएं। इस दौरान मतदाताओं में मतदान के प्रति काफी उत्साह देखने को मिला। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी लंबी कतारें देखने को मिली। मतदाताओं द्वारा मतदान प्रारंभ होने से पूर्व ही लंबी-लंबी कतारों में मतदान करने मतदान केंद्रों पर पहुंचे। मतदाताओं ने मतदान में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाते हुए मतदान का संदेश भी दिया। मतदान केंद्र पहुंच कर मतदाताओं ने अपना मताधिकार का प्रयोग किया और लोकतंत्र के महायज्ञ में अपनी वोट की आहुति दी एवं युवा पीढ़ी को आगामी मतदान दिवस पर सहभागिता निभाने की अपील भी की।

इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्र की व्यवस्थाओं की जानकारी तथा मतदान करने आए मतदाताओं से चर्चा की। पीठासीन अधिकारी को निर्देशित किया कि, मतदान केंद्र के अंदर जो मतदाता मतदान करने आते हैं, उनका मोबाइल बंद रहे तथा कोई भी अभिकर्ता को भी फोटो एवं आईडी कार्ड के बिना मतदान केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाए। इसका विशेष ध्यान रखा जाए तथा सुरक्षा हेतु सभी पुलिस के जवान भी मतदान केंद्र के गेट में उपस्थित रहे। मतदाताओं को समझाइश देते हुए कहा कि, हर मतदाता का मतदान बेहद कीमती होता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्रात्मक देश है। जहां हर व्यस्क नागरिक अपने वोट का इस्तेमाल करने के लिए स्वतंत्र है। हर मतदाता का सरकार बनाने में अहम रोल है। हर एक वोट अमूल्य है। मतदाताओं से मतदान के संबंध में चर्चा की तथा उनके मतदान के प्रति उत्सुकता को देखकर उनकी सराहना भी की।

वाहन चालको पर कार्रवाई कर अपनी पीठ थपथपा रहा प्रशासन

मामला: टोल प्लाजा पर अवैध टोल टैक्स वसुली का

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

प्रदेश में कई ऐसे टोल प्लाजा शुरू किए गए थे जहां अवैध रूप से टोल वसूली की जा रही थी। अगर झाबुआ जिले की बात करें तो मामला सामने ऐसा आया था कि झाबुआ और अलीराजपुर के दो टोल विपक्ष दल ने एक समूह के साथ आंदोलन किया था। विवाद की स्थिति बनने के बाद तुरंत बंद कर दिया गया था। यहां की जनता भी सड़क पर आई थी। क्या इसका इंतजार शाजापुर प्रशासन कर रहा है...? अगर इसे जल्द बंद नहीं किया गया तो झाबुआ-अलीराजपुर जैसी स्थिति यहां पर भी बनने की संभावना है। एक तरफ मध्य प्रदेश सरकार बड़े-बड़े वादे व दावे कर बोल रही कि, मध्य प्रदेश में कोई भी गलत कार्य नही होगा। मगर ऐसा बिल्कुल नहीं है क्योंकि भाषण सिर्फ बोले जाते हैं न की उन पर कोई एक्शन लिया जाता है।

ऐसा ही एक मामला शाजापुर जिले की तहसील शुजालपुर-अकोदिया के बीच अजनई टोल टैक्स का है। जो की चंद पेसो के चक्कर मे वाहन चालकों के जीवन से बीच सड़क पर बिना किसी परमिशन के 3-3 गुमटी व दोनो साइड बेरिकेट व लोहे के ड्रम रख कर खिलवाड़ कर रहै है। जिस पर न तो कोई प्रशासन की नजर हे न कोई उच्च अधिकारियों क ऐसा हम नहीं बोल रहे हैं खुद वाहन चालक बता रहे है।

वही वाहन चालकों का कहना है कि, आए दिन कलेक्टर व कई आला अधिकारी निकलते हैं शायद उनकी नजर बीच सड़क पर रखे चददर के टिपारे पर नही पड़ी होगी।

रोजाना हो रहे विवाद

जब से टोल प्लाजा चालू किया गया तब से ही टोल टैक्स पर आय दिन विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही व विवाद भी हो रहे हैं। टोल प्लाजा पर मौजूद कर्मचारी सामने से आने वाले वाहनो के सामने एक दम से ही बेरिकेट धक्का देकर रख देते हैं जिससे हादसे की आशंका बनी रहती है। इतना ही नही इस मामले को लेकर अकोदिया थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह देवड़ा को थाने पर व एसडीएम सतेंद्र सिंह को कार्यालय भी जाकर सूचना दी गई। मगर इस ओर ध्यान न देकर टोल प्लाजा वाले को पनाह दी गई न की कोई टोल प्लाजा कर्मी पर कोई एक्शन लेकर कार्रवाई की गई। टोल प्लाजा पर न तो पानी पीने की व्यवस्था है न ही कोई केमरे लगे है। अगर वहा पर किसी प्रकार की घटना घटित होती है तो उसका जिम्मेदार कोन रहेगा...? इस पर प्रशासन को विचार विमर्श करना चाहिए।

वाहनों चालकों से की जा रही नगद वसुली

उक्त टोल प्लाजा पर वाहनों पर फास्टेग होने के बाद भी वाहन चालकों से बदसलूकी कर उनसे नगद राशि वसुली की जा रही है। टोल प्लाजा पर फास्टेग की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। वाहनों चालकों द्वारा बोला जाता है कि हमारी गाड़ियों पर फास्टैग लगा है हमारे मोटर मालिक हमे नगद नही देते हैं आप फास्टेग स्कैन कर लीजिए। मगर टोल प्लाजा पर मौजूद कर्मचारी द्वार वाहन चालकों से बदसलूकी कर मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। टोल प्लाजा कर्मीचारियो पर कार्रवाई करने के नाम पर प्रशासन आंख बंद कर के बैठा है। जब इस संबंध में कलेक्टर दिनेश जैन से चर्चा करना चाहा तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

न्यूज ब्रीफ

मदिरा क्रय विक्रय पर प्रतिबंध, शुष्क दिवस घोषित

माही की गूंज, खरगोन।

त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन अंतर्गत तृतीय चरण में खरगोन जनपद, कसरावद, भीकनगावं एवं गोगांवा जनपद में निर्वाचन होना है। इसके लिए कलेक्टर कुमार पुरूषोत्तम ने संबंधित जनपदों के निर्वाचन क्षेत्र से 5 किमी की परिधि में स्थित कम्पोजिट देशी व विदेशी मदिरा दुकाने, वाईन आउट लेट, होटलबार इंडिगो, युवराज, श्री सतगुरू शिवसांई इन्टरप्राईजेस को निर्वाचन सम्पन्न होने से 48 घण्टे पूर्व यानि 6 जुलाई दोपहर 3 बजे से मतदान समाप्ति तक होटल व दुकानों से मदिरा क्रय विक्रय पर पूर्णतः प्रतिबंधित कर शुष्क दिवस घोषित किया है। इस अवधि में समस्त शराब दुकाने एवं नियत समय तक शराब क्रय विक्रय पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है। तृतीय चरण अंतर्गत चार जनपदो में स्थित एवं संबंधित ग्राम पचायतों के निर्वाचन क्षेत्रों से 5 किमी की परिधि में स्थित कम्पोजिट देशी एवं विदेशी मदिरा दुकानें निर्वाचन समाप्ति तक बंद रहेगी। खरगोन जनपद में कम्पोजिट देशी मदिरा दुकान ऊन, बरूड़, लोनारा, बेड़ियाव तथा भीकनगांव में देशी मदिरा दुकान बमनाला, अंजनगांव, सतवाड़ा, दौड़वा एवं 5 किमी के दायरे में स्थित दुकानें बंद रहेगी। वहीं जनपद कसरावद में कम्पोजिट देशी/विदेशी मदिरा दुकान निमरानी, पिपलगोन, मुलठान, बालसमुद, बामंदी, सेलानी, दोगावां, गोपालपुरा, मगरखेड़ी, बलवाड़ा, भोईन्दा, भैसावद, सिनगुन, लोहारी की दुकाने तथा गोगावां जनपद में कम्पोजिट देशी मदिरा दुकान गोगावां एवं अहिरखेडा की दुकाने एवं 5 किमी की दायरे में स्थित देशी/विदेशी मदिरा दुकाने निर्वाचन के 48 घण्टे पूर्व से मतदान समाप्ति तक बंद रहेगी।

डेंगू व चिकनगुनिया रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

माही की गूंज, खरगोन। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दौलत चौहान द्वारा डेंगू व चिकनगुनिया नियत्रंण प्रचार-प्रसार रथ को मंगलवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। डेंगू रथ जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में 31 जुलाई तक भ्रमण कर समुदाय में डेंगू व चिकनगुनिया बिमारी की रोकथाम के प्रति जागरूकता लाना एवं उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। इसलिए आवश्यक हैं कि डेंगू रोग कैसे होता है लक्षण, उपचार, डेंगू वाहक एडीज मच्छर के नियत्रंण के लिए क्या उपचार जनसमुदाय को बिमारी से बचाव के लिए जागरूक करना इसकी जानकारी दी जावेगी। इस दौरान जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. मनोज पाटीदार, डॉ.चन्द्रजीत सांवले, किशोर मुझाल्दे, धारावती चौहान सहायक मलेरिया अधिकारी एवं मलेरिया कार्यालय की टीम उपस्थित रहे।

10 जुलाई तक मंडी में नीलामी काम रहेगा बंद

माही की गूंज, खरगोन। खरगोन मंडी सचिव ने बताया कि, त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन में गुरूवार एवं शुक्रवार को मंडी कर्मचारियों की ड्यूटी लगने तथा 9 जुलाई को बैंक अवकाश एवं 10 जुलाई को रविवार अवकाश होने से मंड़ी में नीलामी कार्य बंद रहेगा। इसके लिए मंडी सचिव ने समस्त किसानों से आग्रह किया है कि अवकाश के दिनों में अनाज विक्रय करने के लिए मंडी में न लाए।

12 से 15 जुलाई तक होगा राज्य महिला हाकी अकादमी में प्रवेश हेतु प्रतिभा चयन

माही की गूंज, बड़वानी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित मध्यप्रदेश राज्य महिला हाकी अकादमी ग्वालियर में खिलाड़ियों के प्रवेश हेतु प्रतिभा चयन कार्यक्रम 12 से 17 जुलाई तक श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया खेल परिसर कम्पू ग्वालियर में आयोजित की जा रही है।

जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी रूपसिंह कलेश से प्राप्त जानकारी अनुसार, इस प्रतिभा चयन कार्यक्रम में अन्य प्रदेश के 20 प्रतिशत एवं मध्यप्रदेश 80 प्रतिशत खिलाड़ियों को प्रवेश दिया जायेगा। इस प्रतिभा चयन कार्यक्रम में 10 से 19 वर्ष तक की महिला हाकी खिलाड़ी भाग ले सकते है। उन्होने बताया कि प्रतिभा चयन कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले प्रतिभागियों को अपने रहने, खाने, आने-जाने की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।

कलेक्टर-एसपी की उपस्थिति में हुई कार्यपालिक मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारियों की बैठक

माही की गूंज, बड़वानी। त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के प्रथम दो चरणो में कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारियों ने अपने दायित्व का बेहतर प्रदर्शन किया है। इसी प्रकार का प्रदर्शन हमें तृतीय चरण में विकासखण्ड बड़वानी एवं पाटी में होने वाले मतदान के दिन भी करना है। निर्वाचन का पूरा कार्य प्लान अनुसार होता है। इसलिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारी आयोग के नियमों का पठन-पाठन अच्छी तरह से कर ले एवं कल ही संयुक्त रूप से अपने प्रभार के क्षेत्र के प्रत्येक मतदान केन्द्र का निरीक्षण कर ले। जिससे आयोग के नियमानुसार मतदान करवाया जा सके।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शिवराजसिंह वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने बुधवार को जिला मुख्यालय पर तृतीय चरण में नियुक्त समस्त कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर एवं विडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से उचित निर्देश दिए।

महिला के चरित्र पर शक, नंगे पांव पति को कंधे पर बैठाकर घुमाने की मिली सजा

पुलिस ने मामले को किया रफा-दफा

माही की गूंज, खरगोन।

जिले में एक शर्मशार करने वाला वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में एक महिला एक युवक को अपने कंधे पर बैठा कर नंगे पांव गांव की सड़कों पर घूमती नजर आ रही हैं। इतना ही नहीं उनके साथ कुछ लोग मारपीट भी करते नजर आ रहे हैं। दरअसल इस महिला को गांव वालों ने चरित्रशंका के शक के चलते यह सजा दी थी।

गांव के सरपंच ने पुलिस को इस मामले की सूचना दी तो पुलिस ने भी समझाई देकर मामले को रफा-दफा कर दिया। लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं इस मामले में और भी गिरफ्तारियां आगे हो सकती हैं।

पुलिस ने मामले को किया रफा-दफा

बताया जा रहा है कि, गांव की एक आदिवासी महिला को चरित्र शंका के चलते ऐसी सजा दी गई है। किसी ने इस घटना का वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर वायरल भी किया है। गांव के सरपंच ने जब इस घटना को देखा तो उन्होंने तुरंत डायल 100 को कॉल कर बुलाया।

डायल 100 पुलिस की टीम ने ग्रामीणों के बीच समझौता करा कर मामले को रफा-दफा कर दिया। लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद मामला गर्माने लगा तो पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 7 लोगों को गिरफ्त में ले लिया।

सरपंच ने की थी शिकायत

खरगोन एसडीओपी राकेश मोहन शुक्ला ने बताया कि, घटना 30 जून की है। गांव के सरपंच अमर सिंह ने डायल 100 को एक सूचना दी थी कि गांव में एक पारिवारिक विवाद हो रहा है। जिसके बाद थाने से सब- इन्स्पेक्टर अपनी टीम को लेकर तत्काल रवाना हुए। गांव में जब पुलिस पहुंची तो बताया गया की पारिवारिक विवाद है। जिसमे एक महिला है जो अपने पति के घर नहीं जा रही है। महिला और उसके काका को कुछ चोटे भी लगी हुई थीं। सभी का मेडिकल कराया गया। उसके बाद गांव वालों ने उनका आपस में समझौता करा दिया। समझौते के बाद महिला अपने ससुराल रवाना हो गई। लेकिन एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें यह महिला अपने पति को कंधे पर बैठा कर घुमा रही हैं।

इन धाराओं में केस दर्ज

इस पर पुलिस अधीक्षक ने तुरंत संज्ञान लेते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। पीड़ित महिला की तरफ से 147, 148, 149, 354 क, 354 घ, 355, 509 और 506 आईपीसी की धाराओं में एक प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। इस मामले में पांच नामजद और दो आरोपियों को वीडियो के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

20-25 लोगों की होगी गिरफ्तारी

खरगोन एसडीओपी राकेश मोहन शुक्ला ने बताया कि, वायरल वीडियो हमारे संज्ञान में है। वीडियो में दिख रहे 20 से 25 लोग जो इस घिनौनी हरकत को करते दिख रहे हैं उन लोगों की भी गिरफ्तारी की जाएगी। एसडीओपी राकेश मोहन शुक्ला ने बताया कि पीड़ित महिला 45 वर्ष की हैं। उनकी शादी लगभग 25 साल पहले हुई थी। उनेका पति मंगल खुद के पिता के क़त्ल के जुर्म में जेल चले गये थे।

महिला के 4 बच्चे

उसको हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा हुई थी। जिसके बाद यह महिला गांव में अपने काका के यहां आकर रहने लगीं। मजदूरी के लिए कभी-कभी महाराष्ट्र भी जाती हैं। महिला के चार बच्चे भी हैं। इन सभी बच्चों की शादी भी हो गई है। पिछले कुछ महीनों से वो अपने काका के यहां खेती का काम करने के लिए रहने आ गई थीं। गांव के कुछ लोगों को यह बात नागवार गुजरी की महिला यहां अपने काका के पास क्यों रह रही हैं? इस के चलते ग्रामीण महिला के चरित्र पर शंका करने लगे।

एसडीओपी राकेश मोहन शुक्ला ने बताया कि, 29 जून को गांव वालों ने मिलकर एक पंचायत बैठाई और महिला को उसके पति के घर भेजने का निर्णय लिया। महिला भी अपने घर जाने के लिए तैयार हो गई। लेकिन जब वह अपना सामान लेने अपने काका अनार सिंह के यहां गई तो कुछ लोगों ने उसे सजा के तौर पर उसके पति को कंधे पर बैठा कर गांव में घुमवाया। वीडियो वायरल होने के बाद हमने तुरंत कार्रवाई की है।

दुर्गम क्षेत्रों में शांतिपूर्ण मतदान कराने हेतु की विशेष व्यवस्था

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शिवराजसिंह वर्मा ने जिले के सबसे दुर्गम विकासखण्ड बड़वानी एवं पाटी में त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के मद्देनजर विशेष व्यवस्था की है। इसके तहत जहां जिला पंचायत सीओ अनिल कुमार डामोर को विकासखण्ड पाटी का प्रभारी अधिकारी एवं संयुक्त कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी पानसेमल सुश्री अंशु जावला को सह प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। वही अपर कलेक्टर श्रीमति रेखा राठौर को विकासखण्ड बड़वानी का प्रभारी अधिकारी एवं संयुक्त कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी राजपुर वीरसिंह चैहान को सह प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही जिले के विभिन्न राजस्व अधिकारियों को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट बनाकर उन्हे विभिन्न क्षेत्रों में नियुक्त किया गया है।

नियुक्त किये गये उक्त समस्त अधिकारी 8 जुलाई को होने वाले मतदान के एक दिवस पूर्व अपने नियुक्ति स्थल पर पहुंचकर मतदान के दिन समुचित व्यवस्था सुचारू बनाये रखने में सीधा योगदान देंगे।

अधिकारियों को निर्देशित किया कि, मतदान एवं मतगणना के दौरान यदि किसी प्रकार का व्यवधान आता है तो वे तत्काल उसका निराकरण करेंगे एवं व्यवधानकर्ता को तत्काल गिरफ्तार कर पुलिस अभिरक्षा में देंगे।

पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने बताया कि, बड़वानी एवं पाटी विकासखण्ड में 8 जुलाई को होने वाले मतदान के दिन विभिन्न स्थानों पर विशेष पुलिस बल भी तैनात किया जा रहा है जो आकस्मिक स्थिति निर्मित होने पर तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर कठोर कार्रवाई कलेक्टर श्री वर्मा ने नियुक्त करेंगे।

बिना अनुमति के दावत देने वाले दो व्यक्तियों पर एफआईआर दर्ज

माही की गूंज, खरगोन।

मंगलवार की रात में शहर के दो व्यक्तियों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत कोतवाली में प्रकरण दर्ज कराया गया है। दर्ज एफआईआर के अनुसार नगर पालिका के दरोगा विजय गुप्ता को खरगोन सहायक रिटर्निंग अधिकारी द्वारा नगरीय निकाय निर्वाचन 2022 के लिए गठित शिकायत जांच दल में आदेशानुसार शामिल किया गया है। मंगलवार को ही एक शिकायत मिली थी कि, अंजुमन नगर में नूर-अस-सबा होटल में आसपास के लोगों को दावत देकर खाना खिलाया जा रहा है। शिकायत के बाद विजय गुप्ता और साथी कर्मचारी शेखर ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर स्थल पर पहुँचे। अंजुमन नगर के नूर-अस-सबा में करीब 300 से 500 लोगो को खाना खिलवाया जा रहा था। पूछताछ करने पर जानकारी में आया की पूर्व पार्षद अलीम शेख द्वारा दावत (हक़ीक़ा) का आयोजन किया गया है। मौके पर ही अलीम शेख से दावत की प्रशासनिक अनुमति के सम्बंध में जानकारी ली गई। उसी समय नूर-अस-सबा के मालिक जमीर खान भी वहां आ गए। उनसे भी कार्यक्रम करवाने की अनुमति के बारे में जानकारी ली गई। अलीम शेख और जमीर खान दोनों ने अनुमति नहीं होना बताया। वर्तमान में जिले में कलेक्टर व दंडाधिकारी के आदेश क्रमांक 4210/सा.ले./2022 के अनुसार 11 मई से 10 जुलाई तक जिले की सीमा में राजनीतिक, धार्मिक एवं अन्य प्रकार की रैली, अखाड़े, जुलूस, रात्रि जागरण, तकरीर, शोभायात्रा, धरना प्रदर्शन आदि सक्षम अधिकारी की अनुमति के बगैर करना आदेश के उल्लंघन पर धारा 188 में दंडित करने की शिकायत की गई। कलेक्टर व दंडाधिकारी के आदेश का उल्लंघन करने पर रात साढ़े 10 बजे कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई गई।

वन महोत्सव एवं हरियाली उत्सव के अन्तर्गत शपथ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी। शासकीय कन्या महाविद्यालय, बड़वानी में बुधवार को वन महोत्सव, हरियाली उत्सव के अन्तर्गत महाविद्यालय के ईको क्लब द्वारा हरित शपथ कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पुरुषोत्तम गौतम के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में ईको क्लब प्रभारी डॉ. कविता भदौरिया द्वारा किया गया। प्राचार्य डॉ. पुरुषोत्तम गौतम द्वारा छात्राओं को हरित शपथ दिलाते हुए सिंगल युज प्लास्टिक का उपयोग न करने और पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में बताया गया।

ईको क्लब प्रभारी डॉ. कविता भदौरिया द्वारा उपस्थित छात्राओं को हरित शपथ के विभिन्न बिन्दुओं से अवगत कराते हुए बताया गया कि, प्लास्टिक बैग के स्थान पर कपड़े के बैग का उपयोग करें, उर्जा और पानी का संरक्षण करें एवं संधाधनों के संरक्षण में युवा पीढ़ी अपना योगदान दे ताकि भावी आने वाली पीढीयों के लिए संसाधनों का संरक्षण किया जा सकें। इस अवसर पर महाविद्यालय की नव प्रवेशित छात्राएँ एवं महाविद्यालयीन स्टॉफ के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. वंदना भारती, डॉ. स्नेहलता मुझाल्दा, डॉ. सीमा नाईक, डॉ. सुनीता भायल, डॉ. रोहित पाटीदार, डॉ. शिल्पी गुप्ता, प्रो. प्रियंका शर्मा, प्रो. अंकिता पागनिस, प्रो. लखन परमार, श्री कृष्णु यादव, प्रो. शोभाराम वास्केल एवं समस्त कार्यालयीन उपस्थित था। शपथ के साथ-साथ सभी के द्वारा वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया गया।

अमृत सरोवर से आशावान है किसान

माही की गूंज, खरगोन।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांक सिंह ने बरसते पानी मे महेश्वर जनपद पंचायत के कुसुम बिया ग्राम पंचायत में बन रहे तो अमृत सरोवर का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान श्री सिंह ने यूजर ग्रुप व किसानों से भी चर्चा की। किसान दसरु, शीतल और उत्तम ने बताया कि, तालाब निर्माण से हमारे वर्ष भर पानी से भरे होने की उम्मीद है। साथ ही आसपास के किसानों के पास पशुओं के लिए कुएँ भी पर्याप्त पेजजल होने की आशा जागी है। अगर सब कुछ अच्छा रहा तो हम वर्ष में दो फसले ले सकेंगे। साथ ही कई किसान इन सरोवर में मछली पालन के लिए भी उत्साहित दिखाई देने लगे है। इस संबंध में सीईओ श्री सिंह ने सभी किसानों उन्नत किस्मों के मछली बीज व प्रशिक्षण हेतु आजीविका मिशन की टीम को निर्देशित किया गया है। सीईओ श्री सिंह ने जनपद पंचायत सभाकक्ष में समीक्षा बैठक की। बैठक में समीक्षा के दौरान जिन ग्राम पंचायतों का लेबर बजट 15 प्रतिशत से कम हैं उनके सचिव व रोजगार सहायकों का तत्काल वेतन रोकने के निर्देश दिये गये। इसके अलावा एसबीएम व 15 वित्त के कार्यों की समीक्षा की गई। निरीक्षण दौरान अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी पुरुषोत्तम पाटीदार, जनपद सीईओ मोहन वास्कले, जनपद के सहायक यंत्री एवं परियोजना अधिकारी श्याम रघुवंशी इसके अलावा ग्राम पंचायत के उपयंत्री केरवाल व सचिव रोजगार सहायक भी उपस्थित रहे।

नवनिर्वाचित सरपंच 35 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर पहुँची विश्वमंगल के दरबार

सरपंच के साथ कार्यकर्ता और पंच भी रहे उपस्थित, जगह-जगह हुआ स्वागत

माही की गूंज, बामनिया।

ग्राम पंचायत बामनिया के सरपंच पद के लिए दूसरी बार निर्वाचित होने के बाद मंगलवार को सरपंच रामकन्या सजंय मखोड अपने समर्थकों और नवनिर्वाचित पंचो के साथ 35 किलोमीटर की लंबी पैदल यात्रा लेकर विश्वमंगल धाम तारखेड़ी माथा टेकने पहुँची। लगातार दूसरी बार ग्राम पंचायत में सरपंच के लिए निर्वाचित रामकन्या मखोड ने जीत के बाद नंगे पैर पैदल यात्रा कर तारखेड़ी जाने की मन्नत ली थी जिसे मंगलवार को पूरा किया। मंगलवार को सुबह 5 निकली पैदल यात्रा के इस जत्थे का रास्ते मे जगह-जगह स्वागत किया किया। विश्वमंगल दरबार मे पहुँच कर अपनी मन्नत पूरी की। इस दौरान सरपंच रामकन्या मखोड ओर उनके कुछ सहयोगी नंगे पैर ही पूरी यात्रा करते नजर आए। इससे पहले करवड़ सरपंच विकास गामड़ भी उज्जैन महाकाल की पैदल यात्रा कर चुके हैं। चुनावी दौर में धन बल के साथ-साथ मान-मन्नोतो का दौर भी जारी रहा जिसकी पूर्ति करते हुवे जीते प्रत्याशि करते नजर आ रहे हैं।

प्रशासन ने ग्रामीण क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा व पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने बुधवार को विकासखण्ड बड़वानी एवं पाटी के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रो के मतदान केन्द्रो का निरीक्षण कर उपलब्ध कराई गई सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं को देखा। वहीं सुरक्षा व्यवस्था हेतु की गई एवं की जाने वाली व्यवस्थाओं की भी जानकारी मौके पर उपस्थित एसडीएम एवं पुलिस पदाधिकारियों से प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने सजवानी, रेहगुन, भण्डारदा, पाचपुला दक्षिण के विभिन्न मतदान केन्द्रो का निरीक्षण करने के उपरान्त मौके पर ही उपस्थित ग्राम पंचायतो के सचिवो एवं जनपद पंचायत के पदाधिकारियों को वर्षा के मददेनजर की जाने वाली व्यवस्थाओं एवं मतदान कर्मियो को मतदान केन्द्रो पर रात्रि में रूकने एवं मतगणना के दिन देर हो जाने पर लगने वाली विद्युत व्यवस्था का भी निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान उनके साथ अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, राजपुर एसडीएम वीरसिंह चैहान, एसडीएम बड़वानी घनश्याम धनगर, एसडीओपी बड़वानी सुश्री रूपरेखा यादव भी मौके पर उपस्थित थे।

साथ ही अधिकारी द्वय ने अपने निरीक्षण के दौरान मतदान केन्द्रो पर लिखी जाने वाली जानकारियों का भी निरीक्षण कर शांति व्यवस्था हेतु की जाने वाली व्यवस्थाओं का भी आकलन कर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये है। वहीं मौके पर उपस्थित राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को पुनः स्मरण कराया कि मतदान के दिन किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशो का पूरी तरह से पालन हो, यह हर-हाल में सुनिश्चित किया जाये ।

हटवाया स्कूल का अतिक्रमण

मतदान केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक श्री कुमार शुक्ला जब पाचपुला दक्षिण का मतदान केन्द्र देखने पहुंचे तो वहां पर माध्यमिक स्कूल के अतिरिक्त कक्ष पर धर्मा बंजारा का अतिक्रमण कर रखे हुए सामान पर घोर असप्रन्नता व्यक्त करते हुए अपने समक्ष उसे हटवाया। साथ ही उसे चेतावनी दी कि यदि पुनः इस प्रकार का कृत्य हुआ तो उस पर एफआईआर करवाते हुए जेल भेजने की कार्रवाई करवाई जायेगी।

लूट की योजना बनाते 5 आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

पिपलिया मंडी थाना पुलिस ने लूट की योजना बनाते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी रहागीर को लूटने का प्लान बना रहे थे इसी दौरान पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया।

पिपलियामंडी थाना टीआई नरेंद्र यादव ने बतया कि, पुलिस को मुखबिर से सुचना मिली थी कि कुछ लोग कनघट्टी अमरपुरा रोड पर स्थित स्लेट पेंसिल खदानो के सरकारी क्वार्टर मे हथियारो के साथ लूट की योजना बना रहे है। पुलिस ने मोके पर घेराबंदी कर दबिश दी इस दौरान मोके से पांच आरोपियों कमल पिता रामनारायण बावरी (22) निवासी पालराखेडा थाना जावद जिला नीमच, राजु पिता लालसिंह बावरी (27) निवासी सिंदपन मंदसौर, बलवंत सिंह पिता अमर सिंह बावरी (35) निवासी सिंदपन, सुनिल पिता हेमराज बावरी (22) निवासी कचनारा फ्लेग, लखन पिता गोवर्धनलाल बावरी (25) निवासी कचनारा प्लैग को गिरफ़्तार किया है।

नैकी की दीवार से अतिक्रमण करवाया मुक्त

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह को अलीराजपुर बस स्टैंड स्थित नैकी की दीवार के आगे आइसक्रीम संचालक दुकानदार द्वारा दुकान का सामान रखे जाने की शिकायत प्राप्त हुई। कलेक्टर श्री सिंह ने तत्काल नपा सीएमओ अलीराजपुर को निर्देश दिए। उक्त निर्देशो के तहत नपा अमले ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नैकी की दीवार स्थल के समीप स्थित आइसक्रीम दुकान का सामान हटवाया गया। नपा अमले ने निरीक्षण के दौरान पाया कि उक्त आइसक्रीम दुकानदार 100 माइक्रो से कम के प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टीक का उपयोग एवं दुकान में भंडारण किये हुए हैए जिस पर संबंधित दुकानदार पर 20 हजार रूपये की चालानी कार्रवाई की गई है।

डॉ. मुखर्जी को श्रद्धांजलि की अर्पित

माही की गूंज, जोबट। भारतीय जनता पार्टी मंडल जोबट द्वारा भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक प्रखर राष्ट्रवादी महान शिक्षाविद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष व पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष दीपक चौहान, नगर परिषद उपाध्यक्ष संजय वाणी कार्यालय प्रभारी प्रभारी मांगीलाल जैन, मंडल महामंत्री राकेश राठौड़,पूर्व मंडल अध्यक्ष रघुनंदन शर्मा, फिरोज खान, आदित्य जैन, संदीप जैन, आदि कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

कांग्रेस विधायक ने सीएमओ को धमकाया, वीडियो वायरल

माही की गूंज, खरगोन।

जिले के महेश्वर से कांग्रेस पार्टी की विधायक और पूर्व मंत्री विजयालक्ष्मी साधौ का एक सरकारी अधिकारी को धमकाते हुए वीडियो वायरल हुआ है। वायरल वीडियो में विधायक विजयालक्ष्मी साधौ नगर पंचायत के सीएमओ चुन्नीलाल जूनवाल पर अपना रौब झाड़ती नजर आ रही हैं।

इतना ही नहीं विधायक ने भाषा की मर्यादा को तोड़ते हुए अधिकारी के खिलाफ तू-तड़ाक जैसी भाषा का उपयोग भी किया। विजयालक्ष्मी साधौ ने अधिकारी पर आरोप लगते हुए उन्हें भाजपा का एजेंट तक करार दे दिया। बता दें की विजयालक्ष्मी साधौ अक्सर इसी तरह के विवादों में घिरी रहती हैं। अब हम आपको बताते हैं कि भीड़ के बीच विधायक ने किस तरह एक सरकारी अधिकारी को अंगुली दिखाकर उससे बात की है।'

सुन लो.. तुम बोल लिए अब मुझे सुनो

विधायक सीएमओ से कहती हैं, 'आप गरीबों के यहां ही टहलने जा रहे हो? इसपर सीएमओ कहते हैं- हां डेली जा रहा हूं। इसपर विधायक कहती हैं-अच्छा गरीबों के यहां। जिसपर सीएमओ कहती हैं- नहीं गरीबों के यहां नहीं हर वार्ड में घूम रहा हूं मैं। इसके बाद विधायक अचानक बिफर पड़ती हैं। वो कहती हैं, 'जो लोगों से सुन रही हूं... गरीब आदमी चिल्ला रहा है। जैसे ही सीएमओ बीच में बोलते हैं तो विधायक कहती हैं।

सुन लो.. तुम बोल लिए अब मुझे सुनो... तुम गरीबों के यहां टहलने जा रहे हो जब से आए हो... अभी क्या चल रहा है, चुनाव चल रहा है ना... चुनाव में क्या भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में यहां काम करने आए हो... इस पर वो फिर चिल्ला कर कहती हैं कि तुम्हारी गतिविधियों से मुझे यही लग रहा है कि तुम भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में आए हो... और

यह विजयलक्ष्मी बर्दाश्त नहीं करेगी।

चल भेज हमको

आगे वो कहती हैं, 'मैं प्रतिनिधित्व करती हूं यहां गरीबों का.. आपको टहलना था तो अमीरों के यहां चलो मेरे साथ। ऐसा करने नहीं दूंगी। आप यहां आए हो तो विजयलक्ष्मी का इतिहास जान जाओ पहले। इतिहास जान कर आओ... यहां एक सेकेंड बर्दाश्त नहीं करूंगी। अभी भी सुधर जाओ। कार्यकर्ता के रूप में कार्य किया तो हमलोग बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमको... हम वही बैठेंगे। विजयलक्ष्मी गरीब के लिए लड़ती है। समझ में आया। शुद्ध भाषा में सुन लो।'

इसपर सीएमओ कहते हैं कि, आपके बारे में मुझे मालूम है। इसपर विधायक फिर कहती हैं कि मालूम है तो तुम ये हरकत करने आए हो भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में। एक सेकेंड भी बर्दाश्त नहीं करूंगी। अभी भी सुधर जाओ। कार्यकर्ता के रूप में कार्य किया तो हमलोग बर्दाश्त नहीं करेंगे।

भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में मारपीट, 7 घायल

इंदौर। नगर निगम चुनावों के लिए मतदान शुरू होने से चंद घंटों पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक भिड़ंत में सात लोग घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

हीरा नगर पुलिस थाने के प्रभारी सतीश पटेल ने बताया,''पहले से चल रही चुनावी तनातनी को लेकर वॉर्ड क्रमांक 20 के खातीपुरा क्षेत्र में मंगलवार को देर रात कांग्रेस कार्यकर्ताओं का समूह खातीपुरा क्षेत्र के भाजपा कार्यालय पहुंचा जहां दोनों पक्ष भिड़ गए। इसमें दोनों पक्षों के कुल सात लोग घायल हो गए।

इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जिसमें नगर निगम चुनावों के तहत बुधवार को हुए मतदान से पहले, भाजपा व कांग्रेस कार्यकर्ता एक-दूसरे पर लाठी-डंडों और कुर्सियों से हमला करते नजर आ रहे हैं। इस बीच, एक और वीडियो सामने आया है जिसमें अस्पताल में अपने लहू-लुहान हाथ का इलाज करा रहा एक कांग्रेस कार्यकर्ता आरोप लगा रहा है कि भाजपा के समर्थक स्थानीय गुंडों ने उसे हीरा नगर थाने के अंदर पुलिस स्टाफ के सामने चाकू मारा और गुंडों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हाथ काटने की धमकी भी दी।

बहरहाल, थाना प्रभारी पटेल ने इस आरोप को सिरे से खारिज करते हुए कहा,''कांग्रेस कार्यकर्ता को थाने के भीतर चाकू की चोट लगने की बात एकदम फर्जी है। थाने से बाहर के विवाद के दौरान उसे कांच लगने से चोट आई है। कांच भी उसे खुद की गलती से लगा और उस पर किसी व्यक्ति ने हमला नहीं किया था।'' पटेल के मुताबिक, भाजपा कार्यालय में विवाद के बाद दोनों पक्षों के कार्यकर्ता हीरा नगर पुलिस थाने पहुंचे थे और उनके बीच ''कहा-सुनी'' हुई थी। थाना प्रभारी ने बताया कि भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच के विवाद को लेकर संबद्ध कानूनी प्रावधानों में प्राथमिकी दर्ज की गई है और विस्तृत जांच जारी है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तृतीय चरण की पूर्व तैयारी को लेकर एसपी ने ली मेराथान मीटिंग

माही की गूंज, अलीराजपुर।

तृतीय चरण में होनें वाले पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण, भयमुक्त, पारदर्शी एवं निर्विघ्न संपन्न कराये जानें के उददेश्य से पुलिस नियंत्रण कक्ष अलीराजपुर में समस्त राजपत्रित अधिकारी पुलिस, थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी एवं समस्त पुलिस सेक्टर मोबाईल प्रभारियों की मीटिंग ली गई। मीटिंग में समस्त अधिकारियों को मतदान पूर्व भयमुक्त वातावरण निर्मित करनें हेतु लगातार असामाजिक तत्वों पर प्रभावी कार्यवाही एवं मतदान केन्द्रो पर मतदान पूर्व भ्रमण के लिये निर्देशित किया गया। साथही प्रथम एवं द्वितीय चरण के मतदान को लेकर सभी से फीडबेक लेकर सभी से साझा किया गया, ताकि तृतीय चरण में ओर सुधार लाया जाकर किसी भी प्रकार की कमी न रहनें पाये।

पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण करानें जानें के उददेश्य से अलीराजपुर पुलिस द्वारा लगातार असामाजिक तत्वों पर कार्यवाही की जा रही ही थी। अभी तक 1766 असामाजिक तत्वों पर राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों की संयुक्त टीम के द्वारा केम्प लगाकर 107/116 जाफौ, 151 जाफौ एवं 110 जाफौ आदि की धाराओं में प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर असामाजिक तत्वों व पंचायत चुनाव में शांतिभंग करने की आशंका वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर पहले अंतरिम बाउण्ड औव्हर कराया गया पश्चात अंतिम बाउण्डऔव्हर की कार्यवाही की गई है। केम्प में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस की उपस्थिति में पहले नोटिस जारी किया जा रहा है तथा जारी नोटिस को पुलिस के द्वारा तत्काल तामील कराया जाकर संबंधित व्यक्तियों को केम्प में बुलवाकर अंतिमरूप से अधिक से अधिक राशि से बाउण्ड औव्हर किया जा रहा है, ताकि चुनाव में पूर्णरूप से अशांति फैलानें वाले व्यक्ति को अंतिम बाउण्ड औव्हर की शर्तों के उल्लंघन करने पर उसके विरूद्ध धारा 122 जाफौ की कार्यवाही कर जेल दाखिल किया जा सके।

इसी प्रकार 5 प्रकरणों में जिलाबदर की कार्यवाही की गई है तथा कुल-102 प्रकरणों में अवैध हथियार जप्त किये गये है, जिसमें से 32 प्रकरणों में अवैध रूप से कटटे जप्त किये गये हैं। अवैध शराब के विरूद्ध भी प्रभावी कार्यवाही की गई है, जिसमें कुल 1087 प्रकरणों में कुल 19746 लीटर शराब जप्त की गई है, जिसकी कीमत करीबन 49 लाख रूपये है। अवैध शराब के तहत 1 करोड के 20 वाहन जप्त किये गये है, जिसमें से 08 वाहनों में राजसात की कार्यवाही की गई है तथा 02 शराब के प्रकरणों में जिलाबदर की कार्यवाही भी की गई है।

पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर मनोज कुमार सिंह ने द्वितीय चरण के पंचायत चुनाव शांतिपूर्वक एवं निर्विघ्नरूप से संपन्न करानें के लिये अलीराजपुर पुलिस टीम को बधाई दी व अगले तृतीय चरण में भी पूरी मुश्तैदी के साथ चुनाव आयोग के द्वारा दिये गये निर्देशों का कढाई से पालन करवाते हुये मतदान प्रक्रिया सम्पन्न करानें हेतु प्रौत्साहित किया। सभी के समन्वय से अलीराजपुर पुलिस का प्रयास है, कि भयमुक्त वातावरण में चुनाव सम्पन्न कराये जायें।

खाद बीज व्यापारी कर रहे किसानों से छलावा

माही की गूंज, थांदला।

मानसून आने के बाद से ही क्षेत्र के किसान खाद-बीज की खरीदी शुरू कर देते हैं। क्षेत्रीय किसान आदिवासी समाज से होकर अशिक्षित या अल्पशिक्षित भी है, उसी का फायदा उठाते हुए व्यापारियों द्वारा खुलेआम लूट की जा रही है। अवैध लूट को रोकने के लिए भारतीय ट्राइबल टाइगर सेना ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को ज्ञापन भी सौंपा था। ज्ञापन में आदिवासी किसानों के द्वारा बाजार से खेती के लिए विभिन्न प्रकार के बीच जैसे सोयाबीन, कपास, मक्का इत्यादि विक्रय करने का समय है। क्षेत्र किसान सर्वाधिक अशिक्षित होने का फायदा उठाते हुए व्यापारियों ने खुली लूट मचा रखी है। उसे रोकने के लिए तथा लोड करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कहीं गई थी। व्यापारी किसानों को डीसीएच 32 कपास बाजार में ना होने की बात कह रहा है जबकि 15 दिन पूर्व बारिश के होने से बाजार में यही डि सी एच 32 कपास बीज 800 रुपए का था उसे तीन 3000 में बेच दिया गया था और आज भी यही आलम है कि किसानों को राखोडिया कपास और दूसरी किस्म का कपास देने को राजी हो रहा है, लेकिन डीसीएच 32 कपास नहीं है। इस तरह कालाबाजारी कर बीजों को छुपाया जा रहा है और अंदर से अधिक भाव में अपने चहेते किसानों को व्यापारी माल बेच रहे हैं। बेचारा किसान रतलाम, पेटलावद, कुशलगढ़ आदि स्थानों पर भटक रहा है। कालाबाजारी को रोकने के लिए अधिकारी भी अपनी खानापूर्ति कर एक दो दुकानों पर घूम कर इतिश्री कर लेते हैं। मासूम किसान आज भी इन व्यापारी से ठगा जा रहा है।

अधिकृत घोषणा नहीं होने के कारण नहीं मनाया जश्न

अधिक मत मिलने के कारण जीत के दावेदार श्री रावत

माही की गूंज, आम्बुआ।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के द्वितीय चरण में जिले की सबसे बड़ी पंचायत में शुमार ग्राम पंचायत आम्बुआ में 1 जुलाई को चुनाव संपन्न हुए, जिसमें पूर्व सरपंच पति रमेश रावत ने सर्वाधिक मत प्राप्त किए जीत की अधिकृत घोषणा नहीं होने के कारण जश्न नहीं मनाया। तृतीय चरण के चुनाव के बाद चुनाव आयोग द्वारा जीत की घोषणा की जाएगी।

आम्बुआ ग्राम पंचायत जिसमें 20 वार्ड है जिनमें से अधिकांश वार्ड में पंच निर्विरोध निर्वाचित हो जाने के बाद शेष पंचों तथा पांच सरपंच प्रत्याशियों न पंचकोणी मुकाबला ज रू र हुआ। मगर मतगणना के नतीजों से ऐसा लग रहा है कि रमेश रावत तथा रमेश बघेल के बीच मुकाबला रहा। पंचायत क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 3 हजार 770 थी जिसके विरुद्ध 2 हजार 733 मतदाताओं ने मतदान किया। सभी 5 प्रत्याशियों में से रमेश रावत ने सभी प्रत्याशियों के मत काटने के बाद 1 हजार 25 मत अधिक प्राप्त किए हैं। चुंकि अभी अधिकृत घोषणा नहीं की गई है इस कारण जीत का जश्न नहीं मनाया जाकर आगामी दिनों में अधिकृत घोषणा के साथ प्रमाण पत्र मिलने के बाद विजेता घोषित किया जाएगा। हालांकि रमेश रावत ने मतदाताओं का आभार माना।

प्यार में मिला धोखा, सुसाइड से पहले बनाया वीडियो

निवाड़ी। जिले में एकतरफा प्यार में चोट खाये एक युवक ने मौत को गले लगा लिया है। युवक ने फांसी लगाकार आत्महत्या कर ली। युवक ने सुसाइड करने से पहले अपना वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया था, जो अब वायरल हो रहा है। मामला थाना जेरोन इलाके के कस्बा का है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। इधर बेटे के मौत से परिवार में मातम पसरा है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक जेरोन कस्बा निवासी नीरज रायकवार ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। मरने से पहले उसने एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उसने एक लड़की का जिक्र करते हुए कह रहा है कि मुझे प्यार में धोखा मिला है, इसीलिए मैं अपनी जान देने जा रहा हूं। युवक के इस कदम से परिवार के लोग सदमे में हैं।

फंदे पर लटकने के बाद परिवार के लोगों ने उसे देखा। आनन-फानन में परिजन उसे अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। इस मामले में एसडीओपी संतोष पटेल का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। दोनों पक्षों के बयान लिए जाएंगे। पुलिस द्वारा उचित कार्रवाई की जाएगी।

महिला ने पति पर लगाया अप्राकृतिक सेक्स करने व पिटाई का आरोप

ग्वालियर। एक महिला ने पति पर अप्राकृतिक सेक्स करने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि शादी के बाद उसका पति उसके साथ अनुनेचुरल सेक्स करता है। जब महिला ने इसका विरोध किया तो पति ने उसे पीटना शुरू कर दिया और कहा कि अनुनेचुरल सेक्स करना मेरा शौक है। पति द्वारा अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने से परेशान पत्नी ने पुलिस से शिकायत की है और अब इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पति की हरकतों से परेशान महिला ने पुलिस से शिकायत की है और उसके बाद पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी पति के खिलाफ इस संबंध में मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एडिशनल एसपी राजेश दंडोतिया ने बताया है कि पीड़ित महिला का पति सनकी है यही कारण है कि वह महिला को लगातार प्रताड़ित करता है।

खण्डवा-बड़ोदा हाईवे मार्ग का मोड़ बना परेशानी का सबब

मोड पर भारी मात्रा मे हुआ जलजमाव, चालक हुए परेशान

माही की गूंज, अलीराजपुर।

इन दिनो बर्षाकाल के दोरान स्थानिय खण्डवा-बड़ोदा हाइवे मार्ग पर पशु चिकित्सालय के सामने मोड़ पर बारिश के चलते यहा पर काफी मात्रा में लबालब पानी भर गया है। मोड पर जलजमाव होने से आवागमन मे आमजनो सहित दुपहिया व चार पहिया वाहन चालको को भारी परेशानियों का सामना उठाना पड़ रहा है। फतेह क्लब मेदान की दिवार के समीप उक्त मोड पर जलजमाव होने से सड़क दुघर्टना का अंदेषा बना हुआ है। इसके पुर्व उक्त मोड पर कई बार सड़क दुघर्टनाए हो चुकी है, बावजुद इसके जिम्मेदार अफसर इस ओर ध्यान नही दे रहे हे। जबकि उक्त मार्ग ओर मोड से दिनभर प्रशासन के आला अधिकारियो का आवागमन होते रहता है, वह भी मुकदर्शक बने हुए हे, शायद वह किसी बडी दुघर्टना या हादसे का इंतजार कर रहे है। आपको बता दें कि उक्त मोड पर पानी निकासी के स्थान पर कई जगह बालू रेत व कंकर भर जाने से मोड़ पर जलजमाव होकर एक बडा सा गडडा हो गया है।

जलजमाव होने से राहगिरो को आवागमन में भारी फजीहत झेलना पड़ रही है। इससे अधिकांश दुपहिया-चार पहिया वाहन सवार उक्त मोड पर वाहन डाल देते हे ओर फिर वह असंतुलित होकर गिर जाते हे। जिसके चलते वाहन चालक दुघर्टना ग्रस्त होकर चोटिल हो जाते है। हर साल बारिश के दौरान उक्त मोड पर इस तरह की समस्याए बनी रहती हे, फिर भी उक्त समस्या का अभी तक निराकरण नही हो पाया है। उल्लेखनिय हे कि उक्त मोड से महज कुछ ही दूरी पर नगरपालिका परिषद कार्यालय है।

उक्त मार्ग से प्रतिदिन कलेक्टर, एसपी, जिपं सीईओ, अपर कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार, सीएमएचओ, नपा सीएमओ सहित कई वरिष्ठ अधिकारी-कर्मचारियो का आवागमन होता है। अब सवाल यह उठता हे कि क्या उक्त मोड की समस्या पर किसी भी अधिकारियो की नजर नही गई...! या फिर अधिकारी किसी बड़े हादसे होने का इंतजार कर रहे है..! बहरहाल आला अधिकारियो को उक्त मोड की समस्या को गंभीरता से लेते हुए तथा जनहित को लेकर ठौस कार्रवाई करना चाहिए। जिससे आमजनो एवं वाहन चालको को राहत ओर निजात मिल सके।

वाहन चोरी के आरोपी को गिरफ्तार

माही की गूंज, अलीराजपुर।

शहर के कस्बों से लगातार वाहनचोरी की वारदातें घटित कर पुलिस को लगातार चुनोती दे रहे थे। वाहनचोरी की वारदातों पर अंकुश लगानें एवं अज्ञात आरोपियों की धरपकड हेतु अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अलीराजपुर सुश्री श्रृद्धा सोनकर एवं थाना प्रभारी अलीराजपुर शिवराम तरोले को निर्देश दिये गये थे। वाहनचोरी के अज्ञात आरोपियों की धरपकड हेतु थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शिवराम तरोले के अधीनस्थ टीम का गठन किया गया था तथा घटना में गठित टीम के द्वारा की जा रही प्रत्येक कार्यवाही की प्रगति पर पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर स्वयं निगाह रख रहे थे।

उक्त घटना में गठित टीम के द्वारा अज्ञात आरोपियों की धरपकड हेतु अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अलीराजपुर सुश्री श्रृद्धा सोनकर के पर्यवेक्षण में लगातार गंभीरता से प्रयास जारी थे, जिसके परिणामस्वरूप ही उक्त घटना के संबंध में टीम को अपनें मुखबीर तंत्र से घटना के आरोपियों के बारें में सूचना मिली, जिस पर संदेही आरोपी कलसिह पिता नमलिया जाति भीलाला (21) निवासी भुरीआम्बा थाना कठ्ठीवाडा को कोतवाली पुलिस टीम के द्वारा सख्ती से पूछताछ कि गई, जिसके द्वारा स्वीकार किया कि उसके द्वारा अलीराजपुर कस्बों से 3 मोटरसायकिल चुराई गई थी, जिसमें फरियादी दिलीप पिता कालुसिंह, निवासी रामसिंह की चोकी की सीडी डीलक्स मोटरसायकिल क्र. एमपी 69 एमए 1673 कीमती 58 हजार रुपए की आंबुआ रोड, फरियादी जितेन्द्र पिता हरसिंह, निवासी चांदपुर रोड की पल्सर मोटरसायकिल क्र. एमपी 09 एक्सए 9674 कीमती 1 लाख 20 हजार रुपए की चांदपुर रोड से एवं कर्मचारी कॉलोनी से प्रकाश पिता विक्रमसिंह, निवासी कोटबू की केटीएम मोटरसायकिल क्रं जीजे 23 बीएफ 3007 कीमती 2 लाख 80 हजार रू0 की चुराई गई थी।

उक्त तीनों घटनाओं के फरियादियों की सूचना पर थाना अलीराजपुर में अप0क्रं0 327, 383 एवं 385/2022, धारा 379 भादवि के तहत अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया था। आरोपी कलसिह पिता नमलिया जाति भीलाला (21) निवासी भुरीआम्बा थाना कठ्ठीवाडा के कब्जे से चुराई गई 3 मोटरसायकिल कुल कीमती 4 लाख 58 हजार रूपए की जप्त की गई।

उक्त सराहनीय कार्यवाही में कोतवाली पुलिस टीम के सदस्य थाना प्रभारी निरीक्षक शिवराम तरोले, सउनि यशवंत पाटीदार, सउनि ललित बैरागी, प्रआर 382 घमरसिह, आर 510 संतोष, आर 327 देवीसिह,आर 71 दुलेसिह, आर 423 किशोर का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर ने पुलिस टीम को बधाई देते हुये इनके उत्साहवर्धन हेतु नियमानुसार पुरस्कृत करनें की घोषणा की है।

जन्म प्रमाण-पत्र के लिए भटक रहे लोग, कई बच्चों का भविष्य अधर में

लोक सेवा गारंटी में बन्द हुई जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र की प्रोसेस, अधिकारी ने कहा नए निर्देश नहीं

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

दिन ब दिन ऑनलाइन होती जिंदगी आमजन के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है। खास कर ग्रामीण अंचल के आदिवासी समाज जिनके लिए समय पर आवश्यक दस्तावेज जुटाने की जानकारी अब तक नहीं पहुँच सकी या फिर सरकार के दावे केवल ग्राम पंचायतों की दिवारों पर सिर्फ पूत कर रह गए। कोरोना संक्रमण के बाद स्कूलों की घण्टी फिर से पूरी उपस्थिती के साथ बजी है। साथ ही सरकारी हॉस्टलों में भी बच्चों के एडमिशन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी हैं। पहले के समय मे परिजनों द्वारा एडमिशन के लिए दिये जाने वाले दस्तावेजों को मान्य कर लिया जाता था, लेकिन बदलते परिवेश और ऑनलाइन होते डाटा के कारण सभी दस्तावेज एक साथ ओर एक जैसे होना आवश्यक हैं। जिससे हर बच्चे की एक अलग प्रोफ़ाइल तैयार की जाती हैं जो कि एडमिशन के लिए आवश्यक हैं। लेकिन ज्यादातर बच्चों के दस्तावेजो में कमी होने के कारण प्रोफाइल बन नहीं पा रही न अपडेट हो पा रही हैं। जिसका मुख्य कारण बच्चों की जन्म दिनांक, जाति प्रमाण पत्र या आधार कार्ड है जिसमे स्कूल रिकॉर्ड से अलग जन्म दिनांक दर्ज है।

जन्म प्रमाण पत्र की बन्द हुई प्रोसेस बनी परेशानी का बड़ा कारण

आधार कार्ड हो या जाति प्रमाण पत्र पुराने बने हुए है जिनमें दर्ज जन्म दिनांक गलत दर्ज है या फिर दर्ज ही नहीं है। स्कूल रिकॉर्ड के अनुसार जन्म दिनांक सुधरवाना जरूरी है लेकिन उसके लिए बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र होना आवश्यक है। उसके नहीं होने के पर पूर्व में लोक सेवा गारंटी कार्यालय में आवेंदन देकर जन्म प्रमाण पत्र बनावाए जा रहे थे, जिससे लोगों के काम हो रहे थे। लेकिन एक माह पूर्व इस सेवा पर रोक लग गई और जन्म प्रमाण-पत्र नहीं बन पाने के कारण स्कूली बच्चों के परिजनों को परेशानियों का सामना करना करना पड़ रहा है।

लोक सेवा गारंटी कार्यालय पेटलावद से जानकारी चाही गई तो उनका कहना है, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र की ऑनलाइन प्रोसेस बन हो चुकी हैं हमको जानकारी नहीं है।

वही तहसीलदार जगदीश वर्मा ने इस संबंध में बताया, नए निर्देश नहीं होने के कारण अभी जन्म प्रमाण पत्र की सेवा बन्द है।

नहीं हो पा रहे आधार और जाति प्रमाण पत्र अपडेट, अपडेशन के लिए सिर्फ जन्म प्रमाण पत्र मान्य

स्कूल के कार्य हो या बैंक या फिर शासन की योजना का लाभ लेना हो, आधार कार्ड और जाति प्रमाण पत्र की आवश्यकता पड़ रही है। लेकिन जन्म दिनांक अलग-अलग दर्ज होने से परेशानी आ रही हैं। जिसे सुधरवाने के लिये जन्म प्रमाण पत्र या 10 वी की अंक सूची ही मान्य है जो ग्रामीण क्षेत्र के कम और अनपढ़ लोगो के पास नही ओर उन छोटे बच्चों के पास भी नही जो अभी 10वी तक पहुँचे भी नही है। जन्म प्रमाण पत्र की अनुपलब्धता के कारण लोग आधार सेंटर ओर लोक सेवा गारंटी के चक्कर लगा रहे हैं। ऑनलाइन जारी प्रमाण पत्र ही पोर्टल पर मान्य किये जा रहे हैं। पुराने बने प्रमाण पत्र तक अपडेट नही हो रहे है न ही अपडेशन में मान्य हो रहे है।

जनता की समस्याओं को उठाने वाले जनप्रतिनिधि गायब

पुराने जन्म प्रमाण नही बन पाने के कारण खड़ी हुई विकराल जन समस्या अब तक सियासत धारियों ओर विपक्ष तक नही पहुँची है न ही आदिवासीयो की बात करने वाले संगठनों तक। इक्का-दुक्का संगठनों द्वारा सोशल मीडिया द्वारा मुद्दा उठा कर प्रशासन को जगाने की कोशिश जरूर की है लेकिन चुनाव में व्यस्तता के कारण पक्ष विपक्ष इस मुद्दे को लेकर गायब है। कोई जनप्रतिनिधि अब तक आगे नही आया है। इधर सरकार निर्धारित दिनों में हर प्रकार के प्रमाण पत्र घर बैठे मोबाइल पर जारी करने का दावा करने वाली शिवराज सरकार भी इस व्यवस्था को एक माह का समय बीत जाने के बाद भी जन्म प्रमाण पत्र के लिए कोई नई कार्य योजना या व्यवस्था नही जमा पाये। नए स्कूली सत्र की शुरुआत में लोगो को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

आधार ओर जाती प्रमाण पत्र का अपडेशन शपथ पत्र के आधार पर जारी करने के हो निर्देश

आधार सेंटरों पर लगी आधी से ज्यादा भीड़ जन्म दिनांक व नाम सुधार के लिए लगी हुई है जो कि प्रमाणित दस्तवजो के आधार पर किया जा रहा है। जबकि शासकीय रिकॉर्ड के अनुसार शपथ पत्र के माध्यम से भी जाति प्रमाण पत्र और आधार कार्ड का अपडेशन मान्य होता है तो काफी हद तक आमजन की परेशानी थोड़ी कम हो सकती हैं। जिस ओर सरकार और जिला प्रशासन को ध्यान देना चाहिए।

जनपद अध्यक्ष के लिए दावेदारी की चर्चाओं ने पकड़ा जोर, परिणाम घोषित होने से पहले है कई जनपद सदस्य गायब

भाजपा, कांग्रेस सहित जयस संगठन कर रहा अध्यक्ष पद पर दावा

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद जनपद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए सरगर्मी तेज़ हो गई हैं। 25 जून को हुए मतदान के बाद मिले प्रारम्भिक आंकड़ों के अनुसार जीत का दावा कर रहे कई जनपद सदस्य अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी कर रहे हैं। हालांकि सही परिणाम 14 जुलाई को आएगा। लेकिन अध्यक्ष पद के दावेदार अभी से जीते हुए सदस्य मानकर उनको अपने साथ धार्मिक यात्रा पर लेकर निकल चुके हैं। वर्तमान में पेटलावद जनपद के लिए कुल 25 जनपद प्रतिनिधियो का चुनाव होना है लेकिन जिस तरह से भाजपा, कांग्रेस और जयस संगठन अपने अपने साथ लगभग 10 से अधिक सदस्यों के साथ होने का दावा कर रहे हैं। उससे अभी की स्थिति में 40 के लगभग प्रत्याशी हो रहे हैं जो अपने आप को जीता हुआ मान रहे हैं। हार-जीत का आइना 14 जुलाई को साफ हो ही जायेगा पर जिन सदस्यों को जीता मान लिया गया उनकी खुद खातिरदारी और प्रबोलन दिए जा रहे हैं।

भाजपा, कांग्रेस और जयस संगठन तीनो कर रहे दावा

अध्यक्ष पद को लेकर राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज़ हो चुकी हैं और सत्ताधारी भाजपा के साथ साथ विपक्षी दल कांग्रेस पेटलावद जनपद अपने कब्जे में होने का दावा कर अध्यक्ष पद के लिए अपने अपने अधिकृत प्रत्याशी मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है। वही जिले की राजनीति में सरप्राइज इंट्री देने वाला जयस संगठन भी खुद को किंग मेकर की भूमिका में बता रहा है और इस पहली बार पेटलावद जनपद पर अपना दावा कर रहा है। भाजपा की और रायपुरिया मंडल अध्यक्ष शांतिलाल मुनिया, अलस्याखेड़ी के पूर्व सरपंच और पेटलावद मण्डल के उपाध्यक्ष रमेश सोलंकी के द्वारा जनपद अध्यक्ष के लिए दावेदारी की जा रही हैं। परिणाम के आने के बाद नए नाम भी सामने आ सकते हैं। वही कांग्रेस की और से युवा नेता नारायण ताड़ दावेदारी पेश कर रही। जयस संगठन भी बराबर इस बार तेयार है लेकिन उनकी और से कौन अध्यक्ष रहेगा या वो किसी को समर्थन करेगे या समर्थन लेंगे ये अभी साफ नही हुवा है।

कुल 40 पहुँची संख्या

विकास खण्ड की जनपद के लिए कुल 25 सदस्यों का निर्वाचन हुआ है लेकिन सभी अध्यक्ष के दावेदार अपने पास पर्याप्त सँख्या बल होने का दावा कर रहे हैं। सभी दावेदारो की माने तो लगभग 30 से 35 सदस्य इनके पास है और 06 से 07 सदस्य बेफिक्री से घूम रहे हैं जो किसी के समर्थन नही कर पार्टी के इशारे का इंतजार कर रहे हैं। 14 जुलाई के परिणाम आने के बाद स्थिति और रोचक होगी और पार्टी द्वारा अधिकृत होने के बाद ही बागियों की स्थिति साफ होगी फिलहाल एक अनार और कई बीमार की स्थिति बनी हुई हैं।

पेटलावद प्रशासन मतदान दल को नहीं दे पाया सुविधा, आईएएस-एसडीएम ने कर्मचारियों को किया निराश

रामा क्षेत्र में गए कर्मचारियों ने की व्यवस्था की तारीफ, पहले चरण के चुनाव में हुई गम्भीर लापरवाही

माही की गूंज, पेटलावद।

त्रिस्तरीय ग्राम पंचायत के चुनाव को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तेद दिखा था। पहले चरण में पेटलावद और थांदला विकास खण्ड में चुनाव होना थे जिसके लिए स्थानीय चुनाव प्रशासन भी लगातार बैठके ओर ग्रामीण क्षेत्र के दौरों के साथ-साथ चुनाव करवाने वाले कर्मचारियों के दल की व्यवस्थाओ के लिए भी तैयारियां की गई थी। त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन वर्ष-2022 के प्रथम चरण के दौरान मतदान हेतु निर्धारित दिनांक 25 जून 2022 को कतिपय जिलों की स्थिति निर्मित हुई। प्रथम चरण के दौरान रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा मतदान दल को सामग्री वितरण करते समय मतदान दल को आवंटित मतदान केन्द्र के मतपत्र में लापरवाही की गई। मतदान दल के लिए चाय नाश्ते की कोई व्यवस्था नही थी। देर शाम तक कई दल रवाना नही हो सके जिससे मतदान दल में शामिल कर्मचारियों को परेशानीयो को सामना करना पड़ा। सामग्री मिलने के बाद सामग्री की एंट्री होने तक मतदान दल को वही बैठे रहना पड़ा।

पेटलावद विकास खण्ड में एसडीएम के रूप में आईएएस शिशिर गेमावत पदस्थ है। संभवतः ये उनका पहला चुनाव मैनेजमेंट था जो काफी हद तक लापरवाही भरा रहा। जिसके चलते मतदान शुरू होने से लेकर मतदान की प्रक्रिया पूरी होने तक मतदान दल को अव्यवस्थाओ से जूझना पड़ा। वही दूसरे चरण के लिए हुए मतदान के लिए मतदान दल के लिए स्थानीय प्रशासन के द्वारा कर्मचारियों के लिए अच्छी व्यवस्था की गई थी। दल के रवानगी स्थल पर चाय नाश्ते के व्यवस्था के साथ मतदान सामग्री भी बिना कम्प्यूटर इंट्री के दल के पास पहुँचा कर दल को रवाना किया गया। जिसके चलते दल समय पर पहुँच कर अपनी व्यवस्था और कागजी कार्रवाई पूर्ण कर सका। दूसरे चरण के मतदान के लिए रामा गए कर्मचारियों ने प्रशंसा की।

– रामा क्षेत्र से मतदान के लिए रवाना होने से पहले चाय नाश्ता करते कर्मचारी।

अनियमित्ताएं, मनमानी और भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुकी है सहकारी संस्थाएं

माही की गूंज, खवासा/ भामल।

झाबुआ जिले की आ.जा. एवं विपणन सह. संस्था में एक के बाद एक कई भ्रष्टाचार के खुलासे हुए हैं लेकिन इन सहकारी संस्थाओं को ऊपरी पकड़ के साथ अनियमित्ता, मनमानी व भ्रष्टाचार का अड्डा भ्रष्टाचारियों ने बना दिया है। नतीजन पिटोल, देवझिरी, थांदला, खवासा, बामनिया, भामल ऐसी कई संस्थाओ के भ्रष्टाचार, अनियमित्ताएं व मनमानी के खुलासे होने के बाद भी यह दौर रुकने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में कुछ समय पूर्व की बात करें भामल की सहकारी संस्था की तो, यहां माही की गूंज ने ही खुलासा किया था कि, किस तरह से यहां पर पदस्थ मैनेजर ने अपने निजी वाहन में खाद्यान्न ले जा रहे थे। परंतु यह हम सभी जानते हैं कि इन संस्थाओं में जो भी अनियमित्ताए और भ्रष्टाचार होते हैं वह ऊपरी स्तर के अधिकारियों के साथ सांठ-गांठ व पकड़ के साथ ही होते हैं। नतीजन आज भामल संस्था की ही बात करें तो, यहां भी पूरी सांठ-गांठ व पकड़ के साथ मैनेजर के निजी वाहन में खाद्यान्न ले जाकर हेरा-फेरी करने का मामला कार्रवाई के नाम पर ÷ढाक के तीन पात÷ की तरह सामने आकर रफा-दफा हो गया और मैनेजर ने अपना खोया हुआ पद पुनः प्राप्त कर अपनी खोई हुई साख को बचाने में कामयाब हो गया, लेकिन फिर भी यह अपनी मनमानी करने से बाज नहीं आ रहे है।

4 जुलाई सोमवार को संस्था में अपनी मनमानी का नजारा देखने को मिला। राजस्थान निवासी जिनकी भूमि ग्राम परवाड़ा में खाता-खसरा नंबर 707/2 व 12 सौ कुल रकबा 1.24 होकर करीब पौने 8 बीघा जमीन पर 77 खाद की बोरिया जिसमें 60 बोरी यूरिया, 7 बोरी सुपर फास्फेट, 10 बोरी डीएपी का रासायनिक खाद मूल्य 32 हजार 6 सौ 86 रुपए का दिया गया। वहीं क्षेत्र के अन्य किसान अपनी लिमिट अनुसार खाद लेने के लिए कतार में लगे थे लेकिन अन्य किसानों को अपनी मनमानी के साथ खाद वितरण करने वाला कर्मचारी रामा प्रजापत ने खेती का कुल रकबा एवं लिमिट के अनुसार खाद नहीं देने पर अपनी नाराजगी जताई एवं विवाद जैसी भी स्थिति होकर रसीद तक फाड़ दी गई।

मध्यप्रदेष की भामल संस्था से खाद जा रहा राजस्थान।

भामल संस्था के वडलीपाडा व भामल के गोडाउन से सस्था कर्मचारी ने कम रकबा पर अधिक लिमिट बनाकर मनमानी के साथ अधिक मात्रा में रासायनिक खाद दिया जा रहा है । जबकी अधिक रकबे वाले को भी 15 बोरी से अधिक खाद नही दिया जा रहा है ।

मामले में किसान समूह रूप में माही की गूंज कार्यालय पहुंचे और बताया कि, राजस्थान निवासी जिनकी भूमि परवाडा में होकर 124 आरा जमीन यानी पौने 8 बीघा में 60 बोरी यूरिया के साथ 77 बोरी दी गई। जबकि पौने आठ बीघा में इतनी मात्रा में खाद किसी भी स्थिति में पूरी सीजन तक भी कृषि कार्य में उपयोग नहीं होगा। इससे साफ है कि, संस्था द्वारा किसान उर्फ उक्त व्यापारी को सीधा लाभ पहुंचाने तथा राजस्थान में विक्रय करने हेतु इतनी बड़ी मात्रा में एकमुश्त संस्था के कर्मचारियों द्वारा खाद दिया गया, जो संस्था के कर्मचारियों की मनमानी दर्शा रहा है।

वही किसानों ने बताया कि, संस्था कर्मचारी अपनी मनमानी के साथ अपना लाभ पाने के लिए कम-ज्यादा लिमिट करके किसानों को गुमराह किया जाता है, जिनकी 15-15, 20-20 बीघा जमीन है उनको भी इतनी मात्रा में खाद नहीं दिया जाता है और संस्था कर्मचारी द्वारा कहा जाता है की कितनी भी भूमि हो 15 बोरी खाद से अधिक नहीं दिया जाएगा तो फिर राजस्थान के उक्त रहवासी को किस आधार पर एकमुश्त इतनी मात्रा में खाद दिया गया...? सवाल कर रहे है।

वही एक किसान गोपालसिंह, बिंदुसिंह की खाद लिमिट 10 हजार होने पर भी 7 हजार का खाद देकर रवाना कर दिया। तो वही मोहनसिंह की 4 हजार की खाद लिमिट पर मात्र 15 सौ का परमिट बनाकर खाद देने पर किसान, संस्था कर्मचारी पर उत्तेजित हो गया और 15 सौ रूपए की परमिट वाली रसीद फाड़कर कर्मचारी के मुंह पर फेंककर चला गया। यह सारा कारनामा भामल संस्था में सोमवार को देखने को मिला जबकि राजस्थान निवासी को पौने 8 बीघा में 33 हजार की खाद लिमिट बनाकर पूरी मात्रा में खाद दिया गया।

इसी तरह आए दिन संस्था के कर्मचारियों द्वारा किसानों के साथ भेदभाव कर संस्था कर्मचारी अपनी मनमानी कर भ्रष्टाचार रहे है।

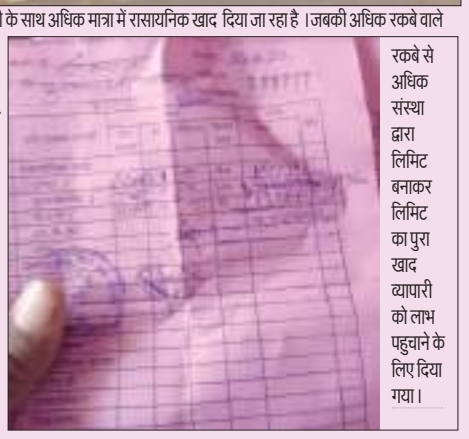

रकबे से अधिक संस्था द्वारा लिमिट बनाकर लिमिट का पुरा खाद व्यापारी को लाभ पहुचाने के लिए दिया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422